डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 208 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 14 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant International Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

## लोकसेवा केन्द्र में चोरी

**शामगढ़, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** नगर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार-मंगलवार की रात तहसील कार्यालय में स्थित लोकसेवा केंद्र में बदमाशो ने चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला।

सीसीटीवी से मिली जानकारी के अनुसार दो अज्ञात चोर लोकसेवा केंद्र के ऑफिस में रखे 2-3 लेपटॉप सहित मशीने उठा ले गए। शामगढ नगर में एक सप्ताह में चोरी की तीन वादात हो चुकी है। इसके पहले प्राइवेट स्कूल संचालक के घर बदमाशो ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इसके बाद चाय की दुकान को निशाना बनाया। तीसरी चोरी बिती रात्रि लोकसेवा केंद्र में हुई है।

# सीएनजी के लिए पचास किमी का चक्कर

## जिले में सिर्फ एक सीएनजी पंप, स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले चालक परेशान

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस। वैसे तो वायु प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने के लिए करोड़ो रुपए खर्च कर अभियान चलाए जा रहे हैं। लेकिन, वाहन चालकों की मजबूरी है कि सीएनजी की बजाय पेट्रोल या डीजल से ही वाहन चलाए। इसका कारण है जिले में सीएनजी पंप का अभाव। अगर जिले में किसी को सीएनजी भरवाना हो तो पचास किमी तक जाना मजबूरी है। यही कारण है कि एकमात्र पंप पर दबाव पड़ने से पंप का प्रेशर ही कम हो जाता है। स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।**

शहर में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) के छह हजार से ज्यादा वाहन है। इनके लिए जिले में सिर्फ एक पंप जिला मुख्यालय पर कृषि उपज मंडी के पास मौजूद है। यही कारण है कि जिले के लोगों को सीएनजी भरवाने के लिए पचास किमी तक चक्कर लगाना पड़ रहा है। शहर निवासी मनोहर बागड़ी, मुकेश शर्मा, अभिषेक गोयल सहित अन्य ने बताया कि सीएनजी पंप खुलने से इसका सबसे बड़ा फायदा इसका सस्ता होना है। दूसरे ईधन जैसे पेट्रोल- डीजल की तुलना में सस्ती मिलती है। इस गैस से मिलने वाला माइलेज पेट्रोल- डीजल की तुलना में अधिक होता है। इससे निकलने वाले धुएं में पर्यावरण को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचता है। यह वाहन के इंजन की क्षमता को बढ़ाता है। साथ ही इंजन साफ रखता है। इस गैस का उपयोग करने से इंजन की आवाज कम हो जाती है। जिससे बहुत कम ध्वनि प्रदूषण होता है।

### सिर्फ दो तीन घंटे मिलती गैस...

जिले में एकमात्र पंप होने के कारण इस पर खासा दबाव होता है। सीएनजी वाहन धारकों के मुताबिक बाहर से आने वाले वाहनों के साथ ही जिला मुख्यालय और उसके आसपास के सीएनजी वाहन चालक यहां सुबह ही गैस भवारने के लिए पहुंच जाते हैं। दोपहर बारह बजे के आसपास स्थिति यह हो जाती है कि पंप में गैस कम होने के बाद प्रेशर कम हो जाता है। जिससे पर्याप्त मात्रा में वाहन चालकों को गैस तक नहीं मिल पाती।

### उधर नीमच से आगे तो इधर झालावाड़ में...

अब बात करें पूरे जिले की तो कहीं से भी अगर वाहन चालक को सीएनजी गैस की आवश्यता है तो करीब पचास किमी की दूरी तय करना ही होगी। इसका कारण है एकमात्र पंप होने के कारण यहां सभी को सीएनजी नहीं मिल पा रही। इधर नीमच से आगे जाने पर सीएनजी पंप है। वहीं गरोठ और भानपुरा या इससे पहले आने वाले क्षेत्रों की बात करें तो उन्हें सीएनजी के लिए झालावाड़ का रुख करना मजबूरी है। करीब पचीस से पचास किमी दूर जाकर लोग सीएनजी भरवाने को मजबूर है।

### पर्यटकों को भी परेशान करेगा सीएनजी पंप का अभाव...

करोड़ो रुपए के चीता प्रोजेक्ट जैसी बड़ी योजनाओं के अलावा पर्यटन स्थल पर करोड़ो रुपए पर्यटकों को बुलाने के लिए खर्च किए गए। बड़े शहरों में सीएनजी वाहनों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। अब इन शहरों से मंदसौर में आने वाले लोगों के लिए वाहन में सीएनजी भरवाने की समस्या खडी होती है। ऐसे में जिले के पर्यटन स्थलों पर घूमने आने वाले लोगों के लिए यह एक सिरदर्द है।

### सस्ती पड़ती है सीएनजी...

सीएनजी गैस, पेट्रोल और डीजल की तुलना में काफी सस्ती होती है। सीएनजी की कीमत लगभग 90 रुपये प्रति किलोग्राम होती है। जबकि, पेट्रोल की कीमत 107 रुपये प्रति लीटर है। इसका मतलब है कि सीएनजी पर चलने वाली गाड़ियां पेट्रोल कारों के मुकाबले 50-60प्रश सस्ती होती हैं, जिससे लंबी अवधि में ईधन की बचत होती है।

# पुलिस चौकी में खड़ी बाइक चोरी

## फरियादी का आरोप दो मिनिट के लिए चौकी का केमरा बंद हुआ और चोरी हो गई

**पिपलिया मंडी, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** नगर में चोरों के हौंसले बुलन्द होते जा रहे है। मुख्य चौराहे पर स्थित पुलिस चौकी से बाइक चोरी का मामला सामने आया है। फरियादी ने आरोप लगाया कि दो मिनिट के लिए चौकी का केमरा बंद हुआ और उसी समय उनकी बाइक चोरी हो गई, वह दो मिनिट का फुटेज भी गायब है। इससे साफ है कि पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध है। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

लिम्बावास निवासी नागपालसिंह पिता बलवंतसिंह सिसोदिया ने पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि वे जावरा में सीएनजी पंप पर सर्विस करते है। 11 मई 2025 को वे पुलिस चौकी में अपनी लाल रंग की एचएफ डिलक्स बाइक एमपी 14 एमवाय 5166 को सुबह 11 बजे रखकर गए थे। दूसरे दिन 12 मई को प्रात: 11 बजे पुन: आए तो बाइक नही थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नही चला। नागपालसिंह ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से बाइक को पुलिस चौकी में रखकर ही ड्यूटी पर जाते है। पहली बार उनकी बाइक चौकी से चोरी हो गई। फरियादी ने आगे बताया कि उनकी बाइक चोरी होने पर पुलिस चौकी का सीसीटीवी चेक किया तो 12 मई को 9.45 बजे बाइक खडी थी, फुटेज में पुलिस जवान व कुछ लोग भी खड़े दिखाई दिये। लेकिन, उसके बाद 2 मिनिट के लिए केमरा बंद होकर चालू हो गया और 9.47 पर चालू हुआ तो बाइक नही दिखाई दे रही है। जब पुलिस से पूछा तो उनका कहना था कि केमरा 2 मिनिट के लिए जंप हो गया है, इसलिए फुटेज नही आया। जबकि, एसा होता नही है। फरियादी ने यह भी बताया कि पुलिस कार्रवाई करने के बजाए उन्हें ही उल्टा धमकाने लगी कि तूमने किससे पूछकर बाइक को पुलिस चौकी में खड़ी की।

### लगातार चोरियां, खुलासा एक का भी नही...

पिपलिया मंडी क्षेत्र में बाइक चोरी होना आम बात है। लेकिन, अन्य चोरियों का खुलासा करने में भी पुलिस की सुस्ती है। पिछली घटनाओं को देखे तो 7-8 मई 2025 को रात्रि गांव गुडभेली बडी से बद्रीलाल तेलकार के बाडे में खडा ट्रेक्टर चोरी हो गया। 2 मई की रात्रि व्यस्ततम मार्ग सिंधिया काम्पलेक्स के पास खात्याखेडी मार्ग पर मून्दडा नमकीन की दुकान का ताला काटकर बदमाश 15 हजार रुपए नकदी ले गए। 25-26 अप्रेल 2025 को गायत्री शक्तिपीठ के पास विजय पिता कैलाश शर्मा के मकान का ताला तोड़कर चोर लाखों के जेवर व नकदी चोरी कर ले गए। 5-6 फरवरी 2025 की रात्रि किराना व्यापारी अर्पित पिता हेमन्त पितलिया के सूने मकान का दरवाजा काटकर चोर 6 लाख रुपए नकद व एक लाख के जेवर चोरी कर ले गए। सात जनवरी 2025 को चोकी क्षेत्र के लसुडिया राठौर गांव में शैलेन्द्रसिंह पिता दिलीपसिंह राजपूत के मकान का ताला तोड़कर चोर 10 लाख के जेवर व 30 हजार रुपए नकदी चोरी कर ले गए। 5 मई 2024 को पुलिस चौकी के पास स्टेशन बालाजी मंदिर के पीछे निवासरत उमेश मोदी के घर में घुसकर चोर 10 लाख के जेवर ले उडे। पुलिस ने चोरों को नही पकडा तो मोदी ने चोरों को पकडवाने वाले को नकद इनाम देने की भी घोषणा की थी।

### इनका कहना...

फरियादी ने हमसे कहकर बाइक खड़ी नही की थी, पिछले चार वर्ष से बाइक पुलिस चौकी में खड़ी की जा रही है, यह मेरी जानकारी में नही है। फुटेज में भी बाइक नही दिखाई दे रही है। पुलिस पर लगाए गए आरोप गलत है। अन्य चोरियों का पता लगाने के लिए भी पुलिस प्रयासरत है।

**धर्मेश यादव**
**चौकी प्रभारी पिपलिया मंडी**

# स्वास्थ्य विभाग:भर्ती नियमों में जल्द होगा बदलाव

## फार्मासिस्ट, नेत्र सहायक, ओटी टेक्निशियन के पदों पर भर्ती के मापदंड बदलेंगे

**भोपाल, 13 मई गुरु एक्सप्रेस। स्वास्थ्य विभाग फार्मासिस्ट, नेत्र सहायक, ओटी टेक्नीशियन के पदों पर भर्ती के नियम बदलने जा रहा है। विभाग के मंत्री और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने विभाग के अधिकारियों को नियमों में बदलाव के निर्देश दिए हैं।**

श्री शुक्ल ने कहा है कि नए नियमों के बनने से पात्र आवेदकों को अवसर मिल सकेंगे और स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी। उन्होंने नर्सिंग संवर्ग के पदों पर सीधी भर्ती के लिए भी आवश्यक औपचारिकताएं जल्दी पूरी करने को कहा है। साथ ही नियमों में आवश्यक संशोधन कर भर्ती के लिए मांग पत्र ईएसबी (एम्प्लाई सिलेक्शन बोर्ड) को तत्काल भेजने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा की।

बैठक में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने, अधोसंरचना विकास एवं रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति के संबंध में निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि भुगतान की प्रक्रिया नियमित की जाए, ताकि बजट का समुचित उपयोग हो और विकास कार्यों में गति लाई जा सके। इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्यों मे अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। रीवा एवं इंदौर मेडिकल कॉलेज के उन्नयन का प्रस्ताव कैबिनेट की स्वीकृति के लिए भेजें।

# मौसम: अंचल में छाये रहे बादल

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** शहर सहित अंचल में इन दिनो मौसम अपने अलग-अलग रंग दिखा रहा है। शहर में दोपहर में धूप रही तो शाम को बादल छा गए। शहर में मंगलवार सुबह से ही तीखी धूप खिली रही, जिससे तापमान में बढ़ोतरी महसूस हुई। दोपहर तक गर्मी और उमस का ऐसा वातावरण बन गया कि लोग पसीने से तरबतर हो गए। लेकिन, शाम को बादल छाए रहे। बता दें कि कुछ दिनों से अंचल में मौसम का ऐसा ही अनियमित रवैया देखने को मिल रहा है। कभी तेज धूप तो कभी बादल छा रहे है तो अचानक बारिश हो रही है, जिससे लोगों को बदलते मौसम के अनुसार अपनी दिनचर्या में बदलाव करना पड रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी मौसम में इस तरह का बदलाव देखने को मिल सकता है।

## गांधीसागर बांध, हाईड्रल पावर स्टेशन, श्री पशुपतिनाथ मंदिर, सोलर प्लांट सुवासरा पर ड्रोन संचालन पर प्रतिबंध

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती अदिती गर्ग नेजिले के सामरिक, धार्मिक महत्व के स्थानों में गाँधीसागर बाँध एवं गाँधीसागर हाईड्रल पावर स्टेशन। श्री पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर एवं 250 M.W. N.G.E.L. मंदसौर सोलर प्लांट सुवासरा पर ड्रोन संचालन के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। ड्रोन नियम 2021 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' के तहत की गई कार्यवाही से उदभुत परिस्थतियों के परिप्रेक्ष्य में संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा की दृष्टि से जिला मंदसौर सीमा क्षेत्र में उपरोक्त स्थानों पर ड्रोन नियम 2021 के तहत किसी भी प्रकार की ड्रोन संचालन करने की गतिविधि प्रतिबंधित रहेगी, उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जावेगी। अत: भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (2) के तहत यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है।

## 18.5 किलो डोडाचूरा जप्त, 1 गिरफ्तार, 2 फरार

**पिपलियामंडी, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** पुलिस ने साढे 18 किलो डोडाचूरा समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं दो फरार है। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ पुलिस ने बाण्डा खाल चौराहे पर एक व्यक्ति को रोका, जिसके पास बेग की तलाशी लेने पर साढे 18 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान भारतसिंह (46) पिता निर्भयसिंह सौंधिया, निवासी आपूखेडी (नारायणगढ) होना बताई। पुलिस ने डोडाचूरा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया। आरोपी को मंदसौर एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश करने के बाद 2 दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उक्त डोडाचूरा आपूखेडी (नारायणगढ) निवासी जगदीश पिता राधेश्याम बागरी से लेकर नसीराबाद (राजस्थान) निवासी कालू जाट को देने जा रहा था। पुलिस ने जगदीश व कालू को भी आरोपी बनाया है, जो फरार है। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया आरोपी से पूछताछ जारी है।

## पत्नी को दी जान से मारने की धमकी

**पिपलियामंडी, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** पत्नी को जान से मारने की धमकी देने वाले पति के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। रत्नेश्वर रोड रतलाम, हाल मुकाम पिपलियामंडी टीलाखेडा बालाजी मंदिर के पीछे निवासरत गंगा माली ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि 11 वर्ष पूर्व शादी हुई थी, वर्तमान में 8 वर्षीय बेटी शिया है। बीती रात्रि पति बबलू माली ने मोबाइल पर काल कर गालियां दी व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज किया।

# सीएम ने दिखाये तेवर, अब जागेगा परिवहन विभाग

## यात्री और स्कूल बसों की जांच करेंगे, पुलिस विभाग को भी दिए निर्देश

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** भोपाल स्कूल बस हादसे के बाद सीएम ने तीखे तेवर दिखाए है। उन्होंने पुलिस विभाग के साथ परिवहन विभाग को नियमित चेकिंग और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। मंगलवार से सभी यात्री बसों और स्कूल बसों की चेकिंग करने के निर्देश दिये गये थे।

राजधानी भोपाल के रोशनपुरा इलाके में सोमवार को हुए दर्दनाक स्कूल बस हादसे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंभीरता दिखाई है। सड़क पर कोहराम मचाने वाली स्कूल बस के अनफिट और दस्तावेजी तौर पर कमजोर पाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में वाहनों की फिटनेस और दस्तावेजों की जांच के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए 13 मई मंगलवार से ही प्रदेशभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना को निर्देश देते हुए प्रदेशभर में सड़क सुरक्षा को मद्देजर रखते हुए अभियान चलाने को कहा है। सीएम ने कहा कि ये अभियान परिवहन विभाग के साथ मिलकर संयुक्त रूप से चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन वाहन मालिकों और चालकों के पास आवश्यक कागजात, जैसे फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, पंजीयन और परमिट न हो, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

### एसपी-आरटीओ को दिए निर्देश...

सीएम के निर्देश के बाद प्रदेश में यात्री बसों, शैक्षणिक संस्थानों की बसों और स्कूल बसों की सघन चेकिंग किये जाने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष अभियान 13 मई से प्रदेश में एक साथ शुरू किया गया। अभियान में पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक और जिला परिवहन कार्यालय को निर्देश जारी किये गये हैं।

### इंदौर में कार्यवाही, मंदसौर में सीएम के निर्देश रद्दी की टोकरी में...

इंदौर में सीएम के निर्देश मिलते ही आरटीओ और यातायात पुलिस ने कार्यवाही शुरु कर दी। वहां अभियान के शुरु दिन बिना फिटनेस 02 स्कूली वाहन एवं 01 बिना परमिट ट्रक जब्त करते हुए 13 वाहनों से 40 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। जबकि, मंदसौर में आरटीओ तो हमेशा की तरह आंखे मूंदे अपने चहेते बस संचालको को बचाने की जुगत में लगा रहा वहीं यातायात पुलिस भी सक्रिय नहीं दिखाई दी। बता दें की आरटीओ में तो सीएम के बीती 03 मई को सीतामऊआगमन को लेकर कागजो में लगाई गई 625 बसों के सेटलमेंट को लेकर अभी तक विचार मंथन चल रहा हैं।

इंदौर यातायात सुधार के लिये कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत आज सख्त कारवाई करते तीन वाहनों को जब्त किया गया। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनो सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनो की सघन जाँच की जा रही है। स्कूल बसों, यात्री बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 13 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। साथ ही बिना फिटनेस के संचालित 02 स्कूल बस, 01 ट्रक सहित कुल 03 वाहन जब्त किए। इस दौरान वाहनों से 40 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

### इन सभी चीजों की होगी जांच...

✻ सभी वाहनो में केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 118 अनुसार गति नियंत्रक लगा होना चाहिए। ✻ सभी यात्री बसों में सभी वीएलटीडी डिवाइस लगा होना आवश्यक है। शैक्षणिक वाहनों में एआईएस 140 अनुरूप व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस, केमरे तथा पेनिक बटन लगे हों। वीएलटीडी का परिवहन विभाग के सेन्ट्रल सर्वर से एन्टीग्रेशन अनिवार्यत: हो तथा वाहन में परिवहन किये जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं सम्बंधित शैक्षणिक संस्था को इसका ऐक्सेस प्रदान करना भी आवश्यक होगा। ✻ सभी वाहनो में प्रथम उपचार पेटी (फर्स्टएड बॉक्स) अनिवार्य रूप से रखा जाये। ✻ एक अक्टूबर 2023 के बाद निर्मित शैक्षणिक वाहनो में केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 1250 के प्रावधान अनुसार -135 अनुरूप स्नक्स् लगा होना चाहिए तथा शेष शैक्षणिक वाहनों में वाहन अनुसार उचित मात्रा का अग्निशमन यंत्र लगा होना चाहिए। ✻ वाहनों की खिडकियों पर काले कॉच या परदे नहीं लगे होगें तथा वाहनो के अंदर की गतिविधि सदैव वाहन के बाहर से स्पष्टरूप से दिखना चाहिये। ✻ वाहन के साथ वैध बीमा प्रमाण-पत्र, फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट होना अनिवार्य है। ✻ यदि वाहन फिटनेस प्रमाण-पत्र होने के उपरांत अनफिट पाई जाती है तो फिटनेस जारीकर्ता अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। ✻ वाहन चालक एवं परिचालक के पास वैध लाइसेंस होना चाहिए। ✻ बस के सभी प्रकार के कर (टैक्स) पूर्ण रूप से जमा होना चाहिए। ✻ बस के विरुद्ध पूर्व के चालान की जानकारी भी आवश्यक रूप से ली जाए। ✻ बस में किसी भी प्रकार के ओवरलोड अर्थात परमिट से अधिक यात्री न हो। बसों में माल ले जाने की परंपरा बहुत अधिक बढ़ रही है इसकी सघन चेकिंग की जायेगी। निर्धारित मात्रा से अधिक माल का परिवहन यात्री बसों द्वारा न किया जाए। दोषी वाहन चालकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

# सीबीएसई: 10 वीं में सम्यक, 12 वीं में दिव्या ने मारी बाजी

### 10 वीं में लोटस वैली के छात्र अव्वल

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** सीबीएसई द्वारा कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के परीक्षा परिणाम मंगलवार को घोषित किये गए। जिसमें कक्षा 12 वीं में छात्रा दिव्या सैनी ने 99 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर हर्षी जैन तथा तृतीय स्थान लोटस वैली स्कूल की चार्वी राका ने प्राप्त किया। इसी तरह कक्षा 10 वीं में प्रथम स्थान लोटस वैली के सम्यक कोठारी ने 97.4 प्रतिशत अंको के साथ प्राप्त किया, द्वितीय स्थान भी लोटस वैली की ही स्नेहा सिंह तथा करनी इंटरनेशनल स्कूल की माही मालवीय तथा तृतीय स्थान सेन्ट थॉमस की अनवेशा सोनार ने प्राप्त किया।

मंगलवार को सीबीएसई बोर्ड का परीक्षा परिणाम जैसे ही जारी हुआ, छात्रों में खुशी की लहर दौड गई। मंदसौर जिलें के सभी सीबीएसई स्कूलों का परीक्षा परिणाम इस बार शत प्रतिशत रहा। कक्षा 12 वीं के परीक्षा परिणाम में दिव्या सैनी 99 प्रतिशत ने प्रथम स्थान, हर्षी जैन ने 96.6 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान तथा लोटस वैली की चार्वी राका ने 96.2 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 वीं में लोटस वैली स्कूल के सम्यक कोठारी ने 97.4 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान, लोटस वैली की स्नेहा सिंह ने 97 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान, करनी इंटरनेशनल स्कूल की माही मालवीय ने 97 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान तथा सेंट थॉमस स्कूल की अंवेशा सोनार ने 96.8 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। परीक्षा परिणामों को लेकर छात्रों और उनके अभिभावकों के चेहरे खिले हुए थे। इससे पहले सुबह से ही विद्यार्थी परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुए एमपी ऑनलाइन की दुकानों पर विद्यार्थियों की भीड उमड पडी।

### दशपुर विद्यालय की अक्षया पालीवाल प्रथम...

दशपुर विद्यालय की दसवीं की छात्रा अक्षया पालीवाल ने 95.6 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अक्षया की इस उपलब्धि पर परिजनों, इष्टमित्रो एवं विद्यालय परिवार द्वारा बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दी गई।

## विचार-मंथन

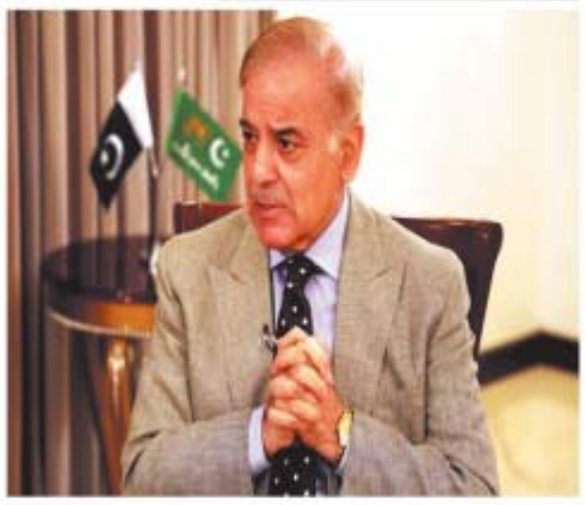

# मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है पाकिस्तान



अब यह पूरी तरह साफ है कि पाकिस्तान की बेजा हरकतों और आतंकवादियों को शह देने की प्रवृत्ति ने ही भारत के सामने आखिरी विकल्प के रूप में आतंकियों को ठोस जवाब देने की स्थिति पैदा कर दी। पहलगाम में आतंकी हमला धीरज रखने की अंतिम हद थी, जिसके बाद भारत ने वही किया, जो इसके लिए उचित था। अब सीमा पार आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद पाकिस्तान वैश्विक समुदाय के सामने जिस तरह अपनी व्यथा को पेश करने की कोशिश कर रहा है, उसमें आमतौर पर किसी देश ने कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके कारण भी साफ हैं। दरअसल, ज्यादातर देश जानते हैं कि दुनिया भर में आतंकवाद ने एक जटिल समस्या के रूप में जड़ पकड़ी और अलग-अलग देशों को बुरी तरह प्रभावित किया है, तो उसमें पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। आतंकियों को पलने-बढ़ने और प्रशिक्षण हासिल करने के आसान ठिकाने मुहैया करा कर पाकिस्तान ने क्या साबित करने की कोशिश की है? आखिर किन वजहों से कुछ आतंकवादी संगठनों को अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए पाकिस्तान एक सुरक्षित ठिकाना लगता रहा है? जाहिर है, बिना शह और संरक्षण के आतंकवादी किसी ऐसी जगह को अपने लिए सुरक्षित नहीं मान सकते। हालांकि संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी आतंक का पोषण करने के मसले पर पाकिस्तान पर सवाल उठे, तब उसने हर बार इस आरोप से अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की। मगर भारत ने दुनिया के तमाम प्रभावशाली देशों के सामने आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान के बारे में स्पष्ट तथ्य रखे। यह बेवजह नहीं है कि पाकिस्तान अब भारत का जवाब झेलते हुए एक मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है तो दुनिया के देश यह समझ रहे हैं कि इस स्थिति के लिए खुद पाकिस्तान का रुख जिम्मेदार है। इसी कारण अपनी सीमा में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले को आधार बना कर वह वैश्विक समुदाय को अपना पक्ष बताने की कोशिश कर रहा है। मगर पिछले कई दशकों से आतंकवाद को जटिल बनाने में उसका जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए तमाम देश भारत के जवाबी हमले और उससे उपजी स्थिति के बारे में पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर, भारत ने धीरज छूटने के बाद जिस तरह जवाब के तौर पर 'केंद्रित और नपी-तुली' कार्रवाई की, दुनिया के करीब सभी प्रभावशाली देशों ने उसका मजबूत आधार देखा और उसे उचित माना। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत साख वाला देश होने के नाते भारत ने अलग-अलग देशों के सामने स्थिति स्पष्ट करना अपनी जिम्मेदारी समझी। कूटनीतिक मोर्चे पर की गई भारत की इस पहलकदमी के सकारात्मक नतीजे सामने आए, जब भारतीय विदेश मंत्री ने अमेरिका, ईरान और सऊदी अरब के अपने समकक्षों से बात की और यह स्पष्ट किया कि भारत का पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर देश पर सैन्य हमला होता है तो मजबूती से जवाब दिया जाएगा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद से अब तक जो वस्तुस्थिति सामने रही है, वह दुनिया की नजर में है और इसी वजह से कई देशों ने भारत के रुख का समर्थन किया। जाहिर है, भारत की इस कवायद के बाद पाकिस्तान के अलग-थलग पड़ने की रफ्तार और तेज होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम अब वह इस हकीकत को समझने और स्वीकार करने को तैयार हो कि आतंक को शह और संरक्षण देकर उसने क्या गंवाया है।

# पाकिस्तान को भारत विरोधी नीति को छोड़ना ही होगा

**प्रह्लाद सबनानी**

पाकिस्तान के जन्म के साथ ही वहां के राष्ट्रीय दलों एवं नेताओं ने भारत विरोध को अपनी अधिकारिक नीति बना लिया था। पाकिस्तान के आर्थिक विकास पर ध्यान नहीं देते हुए, किसी भी प्रकार भारत के हितों को क्षति पहुंचाई जाए, इस बात पर अधिक ध्यान दिया गया। भारत को हानि पहुंचाने के उद्देश्य से पाकिस्तान द्वारा कई आतंकवादी संगठन खड़े किए जाते रहे एवं इन संगठनों के आतंकवादी सदस्यों को भारत भेजा जाता रहा। भारत, हालांकि पाकिस्तान द्वारा भारत में भेजे गए इन आतंकवादीयों को मौत के घाट उतारने में लगातार सफल होता रहा, परंतु, कुछ अवसरों पर इन आतंकवादीयों को भी भारत में अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने में सफलता हासिल होती रही। वैश्विक मंचों पर भी पाकिस्तान भारत पर निराधार आरोप लगाकर भारत को बदनाम करने के लगातार प्रयास करता रहा है। भारत के इस अंधे विरोध के चलते पाकिस्तान की आर्थिक प्रगति पूर्णतः बाधित हुई है। भारत और पाकिस्तान वर्ष 1947 में एक साथ राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करते हुए आगे बढ़े थे। परंतु, आज पूरे विश्व में भारत एक महाशक्ति बन गया है जबकि पाकिस्तान लगातार केवल आतंकवादी संगठनों की स्थापना करते हुए आज विश्व में आतंकवादी पैदा करने की सबसे बड़ी फैक्टरी बन गया है तथा आर्थिक प्रगति के मामले में तो एकदम पिछड़ गया है। आज भारत का सकल



घरेलू उत्पाद 4.19 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है जबकि पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पाद केवल 37,900 करोड़ रुपए का ही है। भारत में प्रति व्यक्ति आय 11,110 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति आय 6,720 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है, अर्थात भारत की तुलना में लगभग आधी, जबकि भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है तो वहीं पाकिस्तान की जनसंख्या केवल लगभग 25 करोड़ ही है। इसी प्रकार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जो कि संभवतः इस वर्ष एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर को भी पार कर सकता है। वहीं, पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 1,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही है। पाकिस्तान पूरे विश्व में विभिन्न वित्तीय संस्थानों एवं देशों से सबसे अधिक बार ऋण लाने वाले एवं आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले देशों की सूची में प्रथम स्थान पर काबिज है। अभी भी, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मोनेटरी फंड से 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लेने का प्रयास कर रहा है। जबकि भारत अन्य देशों को ऋण प्रदान करने की स्थिति में पहुंच गया है। वित्तीय वर्ष 2022 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2023 में 7.6 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2024 में 9.2 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025 में 6.5 प्रतिशत की रही है। इसके विपरीत पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2022 में 6.2 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2023 में ऋणात्मक 0.2 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2024 में 2.5 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025 में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। जबकि, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद के आकार का 11 गुणा से भी अधिक है। भारत के बड़े आकार के सकल घरेलू उत्पाद पर वृद्धि दर भी अधिक है और पाकिस्तान के छोटे आकार के सकल घरेलू उत्पाद पर वृद्धि दर भी कम है। इससे तो भविष्य में पाकिस्तान, भारत की तुलना में और अधिक पिछड़ता जाएगा। भारत में केंद्र सरकार का वित्तीय बजट प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहता है जबकि पाकिस्तान का वित्तीय बजट केवल 5.65 लाख करोड़ भारतीय रुपए (पाकिस्तानी रुपए में 18.9 लाख करोड़ रुपए) का ही रहता है। भारत का वार्षिक वित्तीय बजट पाकिस्तान के वार्षिक वित्तीय बजट से लगभग 10 गुणा है। पाकिस्तान के वार्षिक बजट के आकार से अधिक आकार का बजट तो भारत में अकेले उत्तर प्रदेश राज्य का ही है। भारत में केंद्र सरकार के उपक्रम एवं अन्य उपक्रम केंद्र सरकार को लाखों करोड़ रुपए की राशि डिवीडेंड के रूप में उपलब्ध करा रहे हैं। इस वर्ष, अकेले भारतीय रिजर्व बैंक ही 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराने जा रहा है। अकेले वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण ही लगभग 2.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारत में अप्रेल 2025 माह में 2.37 लाख करोड़ रुपए का वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण हुआ है। रक्षा के क्षेत्र में भी भारत आज पूरे विश्व में एक सक्षम एवं अनुशासित महाशक्ति बन चुका है। अतः पाकिस्तान को भारत से लड़ाई करने का विचार ही अपने मन से निकाल देना चाहिए, इसी में पाकिस्तान के आम नागरिकों की भी भलाई है। कुछ समाचारों के अनुसार, दिनांक 8 मई 2025 की रात्रि में पाकिस्तान ने लगभग 200 मिसाईल एवं ड्रोन भारत के विभिन्न शहरों पर दागे थे, परंतु इनमें से शायद एक भी ड्रोन पाकिस्तान द्वारा तय किए गए अपने ठिकाने पर नहीं पहुंच सका और भारतीय सेना ने इन मिसाइल एवं ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। जबकि, भारत ने जितने भी मिसाईल एवं ड्रोन पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के अड्डों पर दागे, इन लगभग सभी ने ही अपने निशाने पर सटीक रूप से पहुंच कर उन ठिकानों को तबाह किया है। अतः पाकिस्तान के नागरिकों को भी अब इस बात पर विचार करना चाहिए कि पड़ौसियों के साथ मित्रवत होकर रहने में ही दोनों देशों की भलाई है। पाकिस्तान यदि भारत से युद्ध करेगा तो उसे निश्चित ही मुंह की खानी पड़ेगी, जैसा कि अभी की परिस्थितियों की बीच होता हुआ दिखाई भी दे रहा है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों ने पाकिस्तान को भारत के साथ युद्ध से बचने की सलाह दी है क्योंकि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहिले से ही जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है एवं पाकिस्तान पर आज कर्ज का भारी भरकम बोझ इतना अधिक है कि भारत के साथ युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान एक हफ्ता भर भी भारत के सामने युद्ध में नहीं टिक पाएगा।

# एक रहेंगे तो नेक रहेंगे! युद्ध न कीजिए पर भरोसा भी मत कीजिए पाकिस्तान पर!

भारतीय बलों की सटीक कार्रवाई ने आतंकवादियों के न सिर्फ ठिकाने उड़ा दिए बल्कि सौ के करीब आतंकियों को समाप्त कर दिया है। भारत का यह संकल्प बहुत प्रखर है और दूरगामी है, जिसमें यह कहा गया है कि भविष्य में होने वाली हर आतंकी गतिविधि को युद्ध माना जाएगा। भारतीय सैन्य शक्ति, राजनीतिक नेतृत्व के शक्ति, संयम और सूझबूझ से बहुत कम समय में भारत ने वह हासिल कर लिया,जिस पर समूचा भारत मुस्करा रहा है। पहलगाम हमले से पैदा हुई बेबसी, आर्तनाद से मर्माहत हुए राष्ट्र ने जवाबी कार्रवाई से राहत की सांस ली है। अब जबकि युद्ध विराम हो चुका है तो संतोष करना चाहिए कि भारत युद्ध को आतुर देश नहीं है, बल्कि हम आतंकवाद के विरुद्ध अपनी जंग के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले कुछ दिनों में जैसे हालात बन गए थे, उससे साफ लग रहा कि अब भारत एक ऐसे देश के रूप में उभरा है,जो अपने लोगों का खून बहते नहीं देख सकता। भारतीय बलों की सटीक कार्रवाई ने आतंकवादियों के न सिर्फ ठिकाने उड़ा दिए बल्कि सौ के करीब आतंकियों को समाप्त कर दिया है। भारत का यह संकल्प बहुत प्रखर है और दूरगामी है, जिसमें यह कहा गया है कि भविष्य में होने वाली हर आतंकी गतिविधि को युद्ध माना जाएगा। भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है ,जिसने एक परमाणु शक्ति संपन्न देश पर कार्रवाई की है। आज भारत आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता से विश्व मंच पर आदर पा रहा है। दुनिया के तमाम देशों ने भारत का न सिर्फ साथ दिया, बल्कि पाकिस्तान को लताड़ भी लगाई। पाकिस्तान की सेना और उसके राजनीतिक प्रतिष्ठान की बदनीयत दुनिया के सामने आ चुकी है। आर्थिक प्रतिबंध, आयात -निर्यात प्रतिबंध, सैन्य कार्रवाई, सिंधु जल समझौता तोड़कर, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से निकालकर ,पांच एयरबेस नष्ट कर भारत की सरकार ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। पाकिस्तान के मंत्रियों, सांसदों की परमाणु धमकियों के बाद भी भारत ने संयम रखकर अपने लक्ष्य हासिल किए। इसके साथ ही इस क्षेत्र को युद्ध में झौंकने से भी बचाया। अंतिम समय तक निरंतर संवाद बनाए रखते हुए भारत की सरकार ने अपार सूझबूझ का परिचय दिया। पाकिस्तान ने सिर्फ चार दिनों में घुटनों पर आ गया बल्कि उसने बातचीत के तमाम चैनल खोले। आतंकवाद के विरुद्ध भारतीय प्रतिबद्धता का प्रकटीकरण तो हुआ है लेकिन पाकिस्तान भरोसे के लायक नहीं है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व और फौज के बीच बहुत गहरी खाइयां हैं। सच तो यह है कि पाकिस्तान सत्ता तंत्र को यह भरोसा नहीं था कि भारत आपरेशन सिंदूर जैसा कदम उठाकर कार्रवाई करेगा। भारत की सरकार ने संवाद,संयम और प्रतिकार तीनों मोर्चे पर एक साथ काम किया। पाकिस्तानी नागरिकों के विरुद्ध नहीं, आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता का साफ इजहार किया। यह जीत इसलिए साधारण नहीं है। यह बड़ी कामयाबी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते रहे हैं कि 'यह युद्ध का समय नहीं है।' यह संयम भी भारत को दुनिया में सम्मान दिलाता है। भारत सरकार ने टीवी चैनलों को भी संयम बरतने की सलाहें दीं। सेना आज भी हाई अलर्ट पर है। पुंछ, राजौरी में काफी नुकसान हुआ, यह भी सामने है। पाकिस्तान को एक अवसर और राहत जरूर मिली है। अपने बदहाल आर्थिक हालात से जूझ रहे पाकिस्तान को खुद को संभालना है। आतंकवाद की नर्सरी बन चुके देश को सबक सिखाना जरूरी है। एक अराजक पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरा बन चुका है।

# सामाजिक संरचना का आधार बनती हैं मनुष्यता...

**राजेंद्र कुमार शर्मा**

अनुभूति और सहानुभूति दोनों ही दूसरों की भावनाओं को समझने से जुड़ी मानवीय भावनाएं हैं, लेकिन इन दोनों में निहित भावनाओं को समझने में हम असमर्थ और असहाय महसूस करते हैं। अनुभूति का अर्थ है किसी अन्य व्यक्ति की भावनाओं को स्वयं अनुभव करना, जैसे कि हम खुद उसी स्थिति में हों। अगर हमारे किसी मित्र के किसी बहुत प्रिय स्वजन की मृत्यु हो जाती है और वह बहुत दुखी है, तो हम उसकी स्थिति को समझते हुए यह महसूस करते हैं कि अगर हम उसकी जगह होते तो हमें कैसा लगता? यहां हम उसके भावनात्मक दर्द को महसूस कर रहे हैं। सहानुभूति में हम किसी व्यक्ति की पीड़ा या दुख को देखकर उसके प्रति दया या चिंता प्रकट करते हैं, बिना उसकी भावनाओं को खुद महसूस किए। मित्र के स्वजन की मृत्यु होने पर हम कहते है कि 'मुझे दुख है‍ भगवान सब ठीक करेगा।' यहां हम उसकी भावनाओं को समझते तो हैं, लेकिन उन्हें महसूस नहीं कर रहे। आमतौर पर सहानुभूति एक मानवीय प्रतिक्रिया है जो भावनाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम है। इसे हम एक मानवीय सद्गुण की संज्ञा दे सकते हैं। एक समय था जब लोग विभिन्न पीढ़ियों, समुदायों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों में समानता देखते थे। हमारे धर्म ग्रंथों और शास्त्रों में वर्णित है कि हमारे आत्म की सीमाएं वास्तव में कोई बाहरी शक्ति तय नहीं करती, यह सीमाएं अक्सर हम खुद ही तय करते हैं। हमारे डर, विश्वास, अनुभव, सामाजिक मर्यादाएं और आत्म-संकोच मिलकर हमारी 'सीमाएं' बनाते हैं। लेकिन अगर गहराई से देखें, तो आत्मा (या आत्म) की कोई सीमा नहीं होती। वह चेतना, ऊर्जा और असीम संभावनाओं का स्रोत है। आत्म का स्वभाव तो अविनाशी, निडर और विस्तारित होना है। इसलिए सही मायनों में इसकी सीमाएं कोई तय नहीं करता। जब हम स्वयं को पहचान लेते हैं, तब सारी सीमाएं टूटने लगती हैं। कुछ शास्त्रों में उल्लेख है कि हमारी आत्मा की सीमाएं केवल हमारे अहंकार और पूर्वाग्रहों द्वारा तय की जाती हैं। पूरा जीव-जगत दुख और हर्ष जैसे प्राकृतिक गुणों के प्रति संवेदनशील होता है और यही संवेदनशीलता प्रगाढ़ संबंधों और सार्थक संवाद का आधार बनती है, लेकिन वर्तमान समय में प्रतिदिन होने वाले अपराध, हत्याएं, रक्तपात और चलचित्रों में दिखाए जाने वाले हिंसा से भरे दृश्यों ने संवेदना और सहानुभूति जैसे मानवीय और सामाजिक गुणों को क्षीण किया है। इसका परिणाम है सहानुभूति की कमी। व्यक्ति आत्मकेंद्रित हो चुका है। व्यक्तित्व और सामाजिक



मनोविज्ञान समीक्षा का अध्ययन बताता है कि लोगों में दूसरे के दुख में दुखी होने की भावना तीव्रता से क्षीण हो रही है। वर्तमान में हम सिर्फ स्वयं की चिंता करते हैं, स्वयं का अहंकार सर्वोपरि है और दुनिया, समाज की चिंताओं को हमने भुला दिया है। मानवीय व्यक्तित्व में ऐसे गुणों का समावेश व्यक्तिगत संबंधों पर प्रहार के समान है। वैश्विक स्तर पर व्यक्ति पर्यावरण, ऊंच-नीच, 'डिजिटल अरेस्ट' और साइबर अपराध जैसे मुद्दों का सामना कर रहा है, जिनका हल सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों से संभव हो सकता है, लेकिन अगर समाज आत्म-केंद्रितता और उदासीनता से भर जाए, तो इन समस्याओं को हल करना मुश्किल हो जाएगा। बाइबल में वर्णित है कि यीशु का सभी मनुष्यों के प्रति गहरा प्रेम और चिंता उनकी सांसारिक सेवा के दौरान व्यक्त हुई। उन्होंने कई चमत्कारी कार्यों में अपनी सहानुभूति का हृदय प्रकट किया। वे जीवन के सभी क्षेत्रों से पीड़ित और पीड़ित लोगों से वास्तव में जुड़े। बाइबल में ऐसे अनगिनत उदाहरण बताए गए हैं, जिनसे यीशु ने सहानुभूति का उपहार दिया। हमें सहानुभूति और प्रेम की गहरी भावना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका यह है कि हम स्वयं को दूसरों के दृष्टिकोण से दुनिया को देखने का अवसर दें। आज हमारी अवैयक्तिक दुनिया में सहानुभूति बहुत कम देखने को मिलती है। यह एक ऐसा गुण है जो जब प्रदर्शित होता है तो इसकी दुर्लभता के कारण ध्यान आकर्षित करता है। एक ऐसा गुण, जो इसे प्राप्त करने वालों के लिए एक उपहार है। कहा जाता है कि सभी ब्रह्मांडों का उदय एक ध्वनि, एक नाद, एक लोगोस या एक 'शब्द' से हुआ है। यह 'शब्द' तब भी था, जब कुछ नहीं था और यह तब भी रहेगा, जब कुछ नहीं होगा। यानी एक निराकार सत्ता का ही अस्तित्व सदैव रहा है। जल, आकाश, अग्नि, वायु और पृथ्वी सभी उसी के अस्तित्व से हैं। इसी प्रकार, हम सभी उसी अस्तित्व का हिस्सा हैं और इसलिए हमारी परस्पर जुड़ाव की भावना स्वाभाविक है। भावनाओं को समझना हमें हमारी वास्तविक आत्मा से जोड़ता है।

## पाकिस्तान में जश्न, लाहौर में टैंकों पर बरसाए गए फूल




## आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-3-6-9

वृषभ: [illegible] शुभांक-4-7-9

मिथुन: [illegible] शुभांक-4-6-8

कर्क: [illegible] शुभांक-1-5-7

सिंह: [illegible] शुभांक-1-3-5

कन्या: [illegible] शुभांक-4-6-8

तुला: [illegible] शुभांक-2-4-6

वृश्चिक: [illegible] शुभांक-4-6-8

धनु: [illegible] शुभांक-3-5-6

मकर: [illegible] शुभांक-3-4-6

कुंभ: [illegible] शुभांक-3-5-6

मीन: [illegible] शुभांक-3-4-6

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5594

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 3 | 6 | 9 | | | 4 |
| | | 9 | | | | | 5 | |
| | 2 | | | | 4 | 7 | 1 | |
| 4 | 9 | 8 | | | | | | 7 |
| | | | 1 | | 7 | | | |
| 1 | | | | | | 4 | 3 | 5 |
| | 8 | 1 | 6 | | | | 4 | |
| | 5 | | | | | 3 | | |
| 9 | | | 2 | 7 | 1 | | | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5593

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 2 | 8 | 1 | 3 | 6 | 7 | 9 |
| 8 | 7 | 9 | 2 | 6 | 4 | 1 | 5 | 3 |
| 1 | 6 | 3 | 9 | 5 | 7 | 4 | 2 | 8 |
| 7 | 3 | 1 | 5 | 9 | 6 | 2 | 8 | 4 |
| 4 | 5 | 8 | 7 | 3 | 2 | 9 | 1 | 6 |
| 2 | 9 | 6 | 1 | 4 | 8 | 5 | 3 | 7 |
| 6 | 1 | 4 | 3 | 7 | 5 | 8 | 9 | 2 |
| 3 | 8 | 5 | 4 | 2 | 9 | 7 | 6 | 1 |
| 9 | 2 | 7 | 6 | 8 | 1 | 3 | 4 | 5 |

## वर्ग पहेली 5594

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | | 6 |
| 7 | | ■ | 8 | | | ■ | |
| 9 | | 10 | | | 11 | 12 | |
| ■ | 13 | | ■ | 14 | ■ | | ■ |
| 15 | ■ | ■ | 16 | | 17 | | 18 |
| 19 | 20 | | | ■ | 21 | | |
| 22 | | ■ | 23 | 24 | ■ | | ■ |
| 25 | | ■ | 26 | | | ■ | ■ |

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के प्रथम नोबल पुरस्कार विजेता जिनका निधन 7 अगस्त 1941 को हुआ था (8)
7. [illegible] (2)
8. पालिश करने वाला, पालन-पोषण करने वाला, एक प्रकार की हरी तरकारी (3)
9. पाताल जहां नागों का निवास स्थान है (4)
11. वैद्य, [illegible] (3)
13. उन, वह (2)
16. समसामयिक, समकालीन, युगपदता (5)
19. चिंता करना, भयभीत होना (4)
21. [illegible] करने वाला (3)
22. [illegible] करने वाला (3)
23. पेंदा, नीचे की सतह (2)
25. तेरा या तेरी (संस्कृत)(2)
26. नया, नूतन, नवीन, नव (3)

ऊपर से नीचे

1. कलाकृति, [illegible] करना, पुराणानुसार विश्वकर्मा की पत्नी का यह नाम था (3)
2. युद्ध में लड़ते-लड़ते मृत्यु प्राप्त होना (4)
3. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
4. धरती की वह सीमा जिस पर पानी न हो, सूखी धरती (2)
5. फुटबॉल, हॉकी आदि में विरोधी से गेंद छीनने का प्रयास करना (अंग्रेजी), समस्या का समाधान करना (3)
6. प्रेमकर्ता, प्रेमी, लहर (3)
10. नमक (मराठी), ऋण, कर्ज (अंग्रेजी)(2)
12. प्रतिपदा, पड़वा, [illegible] (5)
14. देह के बाल, रोआं (2)
15. महाकवि कालीदास की एक प्रसिद्ध कृति (4)
16. प्राचीनकाल से चला आता हुआ क्रम, परंपरागत (4)
17. फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना इस नाम से भी जाने जाते थे, पिता के भाई (2)
18. जल प्राप्ति का कृत्रिम स्त्रोत (2)
20. रचना कर्म, अस्तित्व प्रदान, सृजन (3)
24. प्रेम, प्यार, मुहब्बत (2)

### वर्ग पहेली 5593 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | मै | का | ■ | म | ■ | पु | क |
| म | ला | ■ | स | म | त | ल | ■ |
| ■ | आ | रा | म | ला | मा | ■ | ट |
| अ | स | ल | ■ | स | आ | प | ट |
| त | ल | ■ | आ | न | ■ | क | ल |
| ए | ■ | ■ | ना | ■ | जु | ण | ■ |
| व | जू | द | ■ | मी | ■ | जां | च |
| ■ | ल | र | ज | ना | ■ | सी | र |

# शिवना शुद्धिकरण के लिये श्रमदानियों का बढ़ रहा उत्साह

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** शिवना शुद्धिकरण को लेकर संवेदनशील विधायक श्री विपिन जैन द्वारा शुरू किये गये अभियान में दिन प्रतिदिन श्रमदानियों का उत्साह बढता जा रहा है। शिवना के जल को स्वच्छ और साफ करने हेतु हर व्यक्ति कृत संकल्पित दिखाई दे रहा है। विधायक श्री जैन स्वयं 2 घण्टे श्रमदानियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर, 4-5 फीट शिवना नदी में उतरकर सफाई अभियान को गति प्रदान कर रहे हैं उनका साथ नगरवासी सहित आसपास क्षेत्र व ग्रामवासी भी पुरी तरह दे रहे है।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि शिवना शुद्धिकरण अभियान जो 1 मई से प्रारंभ हुआ था उसे मंगलवार को 13 दिन हो गये है जिसके सार्थक परिणाम भी सामने नजर आ रहे है। 13वें दिन मेहनत कर श्रमदानियों ने शिवना नदी से 9 ट्राली गंदगी व जलकुंभी बाहर निकाली। सभी नदी की स्वच्छता के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है जिससे भावी पीढी को स्वच्छ और साफ पानी मिल सके। मंगलवार को श्रमदान करने हेतु विधायक श्री विपिन जैन, सोमिल नाहटा, राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, तरूण खिंची, राजनारायण लाड, विश्वास दुबे, सुनील बसेर, संजय नाहर, रमेश सिंगार, मनोहर नाहटा, साबिर इलेक्ट्रीशियन, अकरम खान, साबिर शाह मदारी, नवीन शर्मा, योगेन्द्र गौड, मनोज जैन, सोहनलाल धाकड धमनार, शैलेन्द्र गोस्वामी, शैलेष माली, गगन माली, आमीन खान, रमेश ब्रिजवानी, अजय सोनी, महेश गुप्ता, राजेश चौधरी, दीपक लाड, ऋषिराज लाड, मनोज जैसवार, हेमन्त जैसवार, शिवशंकर सौलंकी, महिला नेत्री सोनाली जैन, इष्ट भाचावत, अनीता भदोरिया, प्रमीला पंवार, दीपाली पोरवाल, गीताली, पोरवाल, शैली पोरवाल, मीना चौहान, समाजसेवी विक्रम विद्यार्थी, राजू सतीदासानी, घनश्याम भावसार, विनय धींग, विजय आनन्द, अभिषेक तिवारी, महेश दुबे, मनीष भावसार, आस्था भावसार, सुधांशु भावसार, नरेन्द्रसिंह राणावत, एम्ब्रोज अल्टर, रामचन्द्र माली पूर्व टीआई, विद्युत फेडरेशन से आये डी.सी. चन्द्रावत, एस.एल. पाटीदार, नरेन्द्र नवले, देवेन्द्रसिंह चौहान, प्रवीण विजय, दिलीप शर्मा, शंकर खरे, राजेन्द्र चाष्ठ, अभिषेक ओझा, कमलेश दायमा, अरूण राठौर, शुभम जोशी, विजेन्द्रसिंह चौहान, लायंस क्लब स्टार मंदसौर से सोनाली जैन, कुसुम पोरवाल, रूचि कालरा, कविता मिण्डा, जैन सोश्यल ग्रुप ग्रेटर एवं भटेवरा जैन समाज से आये महेन्द्र जैन, दिलीप मेहता, हेमन्त मेहता, नीता मेहता, राकेश जैन, सुशील जैन, कुसुमलता जैन, सुशील झेलावत, विमल भटेवरा, हेमन्त जैन, जैन सोश्यल ग्रुप ग्रेटर संगिनी से नीता मेहता, कुसुम जैन, वन विभाग के नरेन्द्र मालवीय, सोनू नागदा, अमलावद गांव से आये कैलाश कुमावत, रमेश धनगर, मनीष मीणा, मुकेश मीणा, श्यामलाल मीणा ने श्रमदान में सहभागिता की।

## भानपुरा पीठ शंकराचार्य ज्ञानानंद महाराज द्वारा....

# सात शिखर कलश का पूजन एवं स्थापना

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर के समीप स्थित ग्राम कोलवा में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा संचालित गायत्री चेतना केंद्र कोलवा में एक 1 साल प्रतिमा स्थापित होने की एक वर्ष पूर्ण होने पर बुद्ध पूर्णिमा सोमवार को जो नो कुंडी गायत्री महायज्ञ के साथ ही शिखर कलश का पूजन भानपुरा पीठ के शंकराचार्य जी महाराज ज्ञानानंद जी के द्वारा चेतना केंद्र में बने शिव परिवार एवं गायत्री माता के मंदिर पर शिखर कलश पूजन करते हुए उन्हें स्थापित करवाया।

इस अवसर पर परम पूज्य शंकराचार्य जी ज्ञानानंद जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि गायत्री का वाहन हंस है उस पर सवारी का उद्देश्य यह है कि हम अपने जीवन में निर्मलता स्वच्छता सादगी के साथ ही अपने पापों की निवारण के लिए गायत्री साधना करने यह सर्वोच्च साधना है। गायत्री उपासक के जीवन में संतोष और व्यवस्था बुद्धि का जन्म होता है इसी प्रकार सरस्वती का भी वाहन हंस है और मोर भी होने के साथ ही हम मोर से सचेत रहें मोर मीठा बोलता है लेकिन सांप को खो जाता है इसी प्रकार मीठे बोलने वाले कब आपका नुकसान पहुंचा दे कुछ पता नहीं। उन्होंने कहा कि यह प्रकृति की गोद में कोलवा चेतना केंद्र आने वाले समय में श्रद्धा का केंद्र के साथ ही आने वाले यात्रियों को भी श्रद्धालुओं को भी आनंद की अनुभूति देगा मुझे यहां आकर आनंद की अनुभूति का एहसास हो रहा है है सरकार से सहायता लेकर पूरे क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जाए इतना बड़े क्षेत्र में हरियाली देखकर यह लगता है कि यहां पर देवी शक्तियों का वास है गायत्री परिवार के संस्थापक वेद मूर्ति पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के शिष्यों के द्वारा संपूर्ण भारत में यह देवी कार्य किया जा रहा है जिसकी में हृदय से सराहना करता हूं।

महाराज श्री द्वारा इस गायत्री चेतना केंद्र में सहयोग करने वालों का आशीर्वाद दिया गया जिसमें सबसे बड़ी सहयोग राशि देने मंदिर निर्माण में सबसे ज्यादा बड़ी राशि श्री जुगल किशोर हाडा द्वारा 21 लाख रुपए, भव्य स्वागत द्वार श्री श्याम कर द्वारा 2 लाख की राशि, श्री अशोक शर्मा द्वारा हेतु 3 लाख रुपए शिखर एवं कलश शिखर कलश के साथ ही ऋषि तिवारी व श्री लक्ष्मण तिवारी द्वारा शिव परिवार की स्थापना की गई। शिव परिवार की स्थापना करने वाले परिवार को भी आशीर्वाद प्रदान किया गया गायत्री चेतना केंद्र कोलवा के प्रभारी केशव राव शिंदे ने बताया कि मंदसौर से मात्र 12 किलो मीटर पर स्थित यह चेतना केंद्र में आज से 5 वर्ष पूर्व तीन बार वृक्षारोपण किया जा चुका है अब तलक 5000 पौधे लगाए जा चुके हैं यहां पर शिव परिवार की स्थापना की गई है साथ ही गायत्री सरस्वती लक्ष्मी की स्थापना के साथ दैनिक यज्ञ का भी यहां पर कार्यक्रम की शुरुआत की गई है और भी बडे लक्ष्य हमारे हैं आज हम जिन्होंने भी सहयोग किया है उनको धन्यवाद व्यापित करते हैं बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर यज्ञ में भागीदारी करी साथ ही शिखर का पूजन करने में सभी ने बढ चढकर हिस्सा लिया यह केंद्र आने वाले समय में कष्टकठिनाइयों को दूर करने वाला केंद्र बनेगा। 9 कुण्डीय गायत्री यज्ञ श्री मोहनलाल जोशी व श्री नरेश त्रिवेदी द्वारा संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में मंदसौर के कई श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया आसपास के गांव के श्रद्धालुओं ने भी बढ-चढकर सहयोग किया कोलवा निवासियों ने उनका स्वागत अभिनंदन किया। इस शक्ति केंद्र के पास ही एक बडा शक्ति केंद्र और मौजूद है जिनके प्रताप से यह स्थापना संभव होती है। यह जानकारी चेतना केंद्र कोलवा के प्रभारी केशव राव शिंदे ने दी।

## खड़े वाहन को गुजरात पासिंग कार ने मारी टक्कर

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** शहर के महाराणा प्रताप चौराहे के समीप मित्र वत्सला भवन के सामने सोमवार-मंगलवार की रात एक सड़क हादसा हो गया। गुजरात पासिंग कार ने सड़क के साइड में खड़ी दूसरी कार को पीछे से टक्कर मार दी है। इस हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालांकि, कोई अनहोनी नहीं हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक हरीश होतवानी स्कोडा कार क्रमांक एमपी 09 जेड एच 4446 में सवार होकर अपने परिवार के साथ फालूदा खाने महाराणा प्रताप चौराहे के पास आए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार हुंडई कार क्रमांक जीजे 23 ए एन 0249 पीछे से आई और टक्कर मार दी। हालांकि इस हादसे में कोई अनहोनी होने की खबर नहीं है, लेकिन कार की टक्कर से स्कोडा कार कई फीट तक घसीटते हुए चली गई। जबकि, हुंडई कार को चालक मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। सिटी कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार को अपने कब्जे में लिया। सिटी कोतवाली हेड कांस्टेबल मनोहर मसानिया के मुताबिक फरियादी की शिकायत प्राप्त हुई है। हुंडई कार चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

## तनीषा को किया सम्मानीत

**मनासा, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** जनसुनवाई में हायर स्कूल अल्हेड की छात्रा तनीषा पाटीदार पिता मुकेश जी पाटीदार को जो राज्य की मेरिट में दसवें स्थान पर रही, इनके द्वारा 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में सम्मानित किया गया ओर उपहार दिए, तथा सभी ब्लॉक अधिकारीयों, लील श्री कुणेचा, लशश्री जावेरिया, ओर रलशश्री अरविन्द डामोर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनासा पवन बारिया द्वारा बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं शुभाशीष दिया गया ,साथ में बालिका के पिता श्री मुकेश पाटीदार तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री बेरागी को भी सम्मानित किया गया।

## जनकपुर में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर संपन्न

**नीमच, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय आयुर्वेद औषधालय जनकपुर द्वारा जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशीष बोरना के निर्देशन में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शासकीय माध्यमिक विद्यालय जनकपुर में मंगलवार को आयोजित किया गया। शिविर में आमवात, संधिवात, उदर रोग, विबंध, श्वास, कास, प्रतिशय, रक्त अल्पता, रक्तचाप, अर्श गैस अम्लपित्त साइटीका, हृदय रोग ,प्रमेह, आदि बिमारियों की जांच कर निशुल्क औषधियां वितरित की गई। शिविर में बी पी की नि:शुल्क जांच कर आवश्यक परामर्श के साथ औषधियां उपलब्ध कराई गई। शिविर में कुल 105 रोगियों ने स्वास्थ्य का लाभ लिया! शिविर में डॉ.नाथू सिंह मौर्य, डॉ.धीरज डावर, डॉ नरसिह चौहान, एवं विभागीय पैरामेडिकल स्टाफ ने सेवाएं दी। शिविर में ग्राम सरपंच एवं सचिव ने भी सहयोग किया।

# भानपुरा पब्लिक स्कूल सीबीएसई का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा

**भानपुरा, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** सीबीएसई बोर्ड द्वारा 12वीं परीक्षा का परिणाम आज 13/05/2025 को घोषित किया गया परीक्षा में भानपुरा पब्लिक स्कूल भानपुरा के सभी छात्र-छात्राओं का परिणाम उत्तीर्ण रहा जिसमें भानपुरा पब्लिक स्कूल भानपुरा में बारहवीं साइंस में प्रथम स्थान पर अर्शिना मंसूरी (93.6%)एवं द्वितीय स्थान पर किन्शुक हरसोरा (88.20%) एवं कॉमर्स में प्रथम स्थान समर्थ टोंगिया (90.40%) एवं द्वितीय स्थान अरवा भानपुरा वाला (86.80%) रही। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मंदा मटाई ने कहा कि आज विद्यार्थियों की मेहनत और लगन रंग लाई है विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने पर उन्होंने दिल से बधाई दी। प्राचार्या द्वारा विद्यार्थियों और अध्यापकों की मेहनत समर्पण और उनका आत्मविश्वास आज सफलता का कारण बना है। यह सफलता यूं ही जारी रहेगी। इसी पर प्राचार्या ने आत्मविश्वास हमेशा बना रहे उस पर दो लाइन लिखी है 'कडी मेहनत का फल मिला ,अब नई उडान भरने का समय है।'अच्छा परिणाम घोषित होने पर विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती टोनू जैन सोजतिया जी ने कहा कि छात्र छात्राओं एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं के अथक प्रयासों के कारण स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा। छात्र छात्राओं को बधाई दी एवं उज्वल भविष्य की कामना की।

## भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रश्न मंच प्रतियोगिता सम्पन्न

**मनासा, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** भारतीय मानक ब्यूरो के तत्वाधान में शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा में आज दिनांक 13 मई 2025 को महाविद्यालय में टेक्निकल क्विज कंपटीशन (प्रश्न मंच ) का आयोजन किया गया। इस निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बडी संख्या में भाग लिया गया। भारतीय मानक ब्यूरो के कोआर्डिनेटर डॉ देवीलाल सुतार द्वारा विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को दैनिक जीवन में काम आने वाली विभिन्न वस्तुओं की शुद्धता की पहचान भारतीय मानक ब्यूरो के ऐप के द्वारा किस प्रकार से की जाती है की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम एल धाकड, विज्ञान संकाय के प्रमुख प्रोफेसर मुकेश मालवीय, डॉ जितेंद्र आलोरिया, डॉ स्मिता रावत, प्रो प्रेरणा शर्मा एवं मधु कुशवाह आदि महाविद्यालय स्टाफ एवं बडी संख्या विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# साढ़े तीन लाख हड़पे, बाप-बेटों के खिलाफ मामला दर्ज

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** बाप-बेटेने मिलकर एक व्यवसायी को शिकार बनाया। बाप-बेटे ने व्यापार के नाम पर साढे तीन लाख रुपए हड़प लिए। कई बार रुपए को लेकर आरोपी बाप -बेटों से बात की। लेकिन रुपए नहीं मिले। आखिरकार इस मामले में शहर कोतवाली पुलिस को शिकायत की गई। बाप बेटों के खिलाफ पुलिस ने अमानत में खयानत की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि जिनेश जैन पिता भंवरलाल जैन और बेटे प्रखर जैन निवासी आमना गली मंदसौर ने रणजीत पिता मदनलाल निवासी गांधी नगर से साढे तीन लाख रुपए का व्यापार के नाम पर लेन-देन किया। इसके बाद आरोपियों ने रुपए वापिस नहीं किए। वहीं न ही व्यापार में तय की गई बात पर अडिग रहे। इसके बाद फरियादी ने शहर कोतवाली पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

# जनसुनवाई के दौरान 45 मामलों में सुनवाई की

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 45 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए।

आवेदक रतन बाई निवासी मंदसौर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया कि उनके पति का स्वर्गवास हो जाने से भूखंड पर उनके नाम का नामांतरण नहीं हो रहा। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मंदसौर नगर को निर्देश दिए की जल्द नामांतरण करें। आवेदक अख्तररबी निवासी नई आबादी अचेरी द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया कि उनके खेत पर जाने के रास्ते को खाई खोदकर रास्ता बंद कर दिया। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मंदसौर ग्रामीण को निर्देश दिए की उक्त खाई को बंद कर रास्ता दिलवाएं। आवेदक मांगीलाल निवासी बिलांत्री द्वारा राजस्व अभिलेख में खसरा एवं बी 1 में नाम दर्ज करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मंदसौर ग्रामीण को निर्देश दिए की बी 1 एवं खसरा में नाम दर्ज करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान पीएम किसान सम्मान निधि, खेत का रास्ता खुलवाने, मकान का रिकार्ड मौके अनुसार दर्ज नहीं होने, सीमांकन, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, विद्युत पोल हटाने आदि के संबंध में आवेदन आये।

## भारतीय किसान संघ की बैठक सम्पन्न

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** भारतीय किसान संघ की जिला बैठक बंजारी बालाजी मंदिर परिसर मे सम्पन्न हुई। जिसमें सर्वप्रथम कृषक देव भगवान बलराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बैठक आरंभ की गई। बैठक में कार्यकर्ता निर्माण को लेकर प्रशिक्षण वर्ग सहित आगामी कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में प्रांत कोषाध्यक्ष जिला प्रभारी श्री शांतिलाल शर्मा, प्रांत सदस्य श्री भंवर सिंह पवार, जिला अध्यक्ष प्रीतिपाल सिंह देवडा, जिला मंत्री मोहनलाल लोहार, राधेश्याम ठन्ना, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुमेर सिंह, राधेश्याम भाटी, महिला इकाई की महेंद्र कुंवर देवडा, शारदा जाट, सीतामऊतहसील मंत्री मुकेश प्रजापत, भंवरलाल भाटी, भंवरलाल, ओम प्रकाश कुमावत, भैरुलाल गोस्वामी सहित अनेक किसान पदाधिकारियों ने भाग लिया।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 37 | 2040 | 2214 |
| उडद | 8 | 5152 | 6199 |
| सोयाबीन | 4500 | 3950 | 4430 |
| गैहु | 7000 | 2395 | 2941 |
| चना | 515 | 4500 | 5686 |
| मसुर | 148 | 5899 | 6477 |
| धनिया | 221 | 5550 | 7150 |
| लहसुन | 17000 | 3200 | 9100 |
| मैथी | 1091 | 3700 | 5690 |
| मुंगफली | 337 | 3500 | 5500 |
| अलसी | 2091 | 6517 | 7205 |
| सरसो | 324 | 5600 | 6130 |
| तारामीरा | 1 | 5285 | 5285 |
| इसबगोल | 125 | 7500 | 11800 |
| प्याज | 3959 | 305 | 1100 |
| कलोंजी | 20 | 12900 | 19199 |
| तुलसी बीज | 0000 | 0000 | 0000 |
| डॉलर | 26 | 6901 | 8255 |
| तिल्ली | 0000 | 0000 | 0000 |
| जौ | 7 | 2030 | 2340 |
| मटरसुखी | 6 | 3200 | 3700 |
| असालीया | 103 | 6200 | 6961 |
| चियाबीज | 303 | 2401 | 5300 |

# श्रमदानियों ने हर्बल गार्डन में श्रमदान किया

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** आज के समय में हर व्यक्ति को एक-दो घण्टे श्रमदान करना चाहिये। हर व्यक्ति कुछ समय समाज सेवा में लगाये। श्रमदान करने से अपने आसपास की गंदगी भी साफ होगी। पार्क में सफाई अभियान से साफ व शुद्ध हवा मिलेगी तो व्यक्ति स्वस्थ रहेगा और हर्बल गार्डन ऐसी जगह है जहां पर रोज हवन होता है। दो तरह के एक्यूप्रेशर पाथ वे है। जो स्वास्थ के लिये भी लाभकारी है। इस गार्डन में ज्यूस सेंटर भी चलता है जहां 14 तरह के ज्यूस उपलब्ध है साथ ही गो नीर भी उपलब्ध रहता है। पूजा व सेवन के लिये यह सेवा नि:शुल्क चलती है। यहां सुबह 6.30 से 8 बजे तक योग चलता है।

सुबह 8 से 12 बजे तक नीम, करेला, ज्वार, आंवला, सादा मीठा, चुकंदर, लौकी, गिलोय, नींबू पानी, फूलों का रस एलोवेरा, नारियल, गाजर, बिल्ला आदि 14 प्रकार के ताजा जूस पिलाएं जाते है। जिसका बीमार व स्वस्थ व्यक्ति लाभ ले सकता है। आज के समय में स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देना होगा ताकि शरीर में बीमारी न हो पाये। सफाई अभियान में लक्षकार समाज के भाईयों ने हर्बल गार्डन में श्रमदान किया। लक्षकार समाज के मांगीलाल लक्षकार प्रतिदिन स्वास्थ्य लाभ लेने यहां आते है। लक्षकार समाज के अध्यक्ष ने भी श्रमदान किया व अपने विचार रखते हुए कहा कि श्रमदान करने में शरीर में एक एनर्जी जैसा महसूस होता है। पत्रकार जितेन्द्र ने भी श्रमदान किया और कहा कि जब भी गायत्री परिवार यहां श्रमदान करेगा तो वे भी समय-समय पर श्रमदान करेंगे। गायत्री परिवार अपना अमूल्य समय निकालकर समय देता है। गार्डन मेंटेन करता है। ऐसी सामाजिक संस्था द्वारा ही नगर में अच्छा कार्य हो रहा है। श्रमदान में योगेशसिंह सोम, जितेन्द्र पत्रकार, हेमंत, लोकेन्द्र, मांगीलाल लक्षकार, राहुल, विकास, सौरभ, गायत्री परिवार की बहने माया पटेल, सुमित्रा बहन, दिव्या, पिंकी, गुड्डभाई इन सभी भाई बहनों ने दो घण्टे श्रमदान किया व गार्डन को सुंदर बनाया।

# कलेक्टर ने जनसुनवाई में 92 आवेदकों की सुनी समस्याएं

**नीमच, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 92 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में उमाहेडा के मांगुसिह, भरभडिया के शम्भुलाल, राजस्व कॉलोनी नीमच के शोभागमल, जेसिंगपुरा के बाबुलाल, चुकनी के मथुरालाल पाटीदार, पिपल्याघोटा के राधेश्याोम, पिपलरवा के नानालाल, खिमला ब्लॉक रामपुरा की हगामी बाई, नई आबादी धामनिया के कन्हैयालाल, पिपलोन के गोर्वधनलाल, चौकडी के अखिलेश, हरनावदा के मोहन सिह, सरजना की ईश्वरकुंवर, मोया के नन्दलाल, जावी की मंजु नायक, जीरन की कंकुबाई ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह जीरन के देवीलाल, पडदा के मंगलेश, कानाखेडा के कन्हैबयालाल, सावन के दिनेश, रूपपुरा की शांतिबाई, यादवमण्डी नीमच केंट के कुन्दन, अठाना की सोनिया, मुण्डिला की सन्नुबाई, जावद के शंकरलाल, रामुपरा की सायरा बानों, जाट के अब्दुल हकीम, दलावदा के मुन्नालाल, नीमच के मो.शकील, अडमालिया के दीनदयाल नागदा, जाट के अब्दुल कादिर, नवलपुरा के मोतीलाल, अरनिया बोराना के रामप्रहलाद, जमुनियाकला के मांगीलाल, जेतपुरा की कंचनबाई, नीमच के गौरव, चडोली के सुरेशचंद्र ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

## लघुकथा

# बोरी में भरइग्यो

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** सुमित का अच्छा भला खाता-पीता घर चल रहा था कि उसका भाई पतित अचानक रोज घर में तोडफोड कर नुकसान करने लगा व उसकी करतूत दूसरे पर मढ देता। एक दिन वह मुंह पर आ ही गया बोला ,' इस घर का उधर का हिस्सा में लूंगा। सारा कारोबार अलग करूंगा।'

परिवार में शांति रहे इसलिए पुस्तैनी घर का एक हिस्सा उसे दे दिया गया। पतित फिर बोला ,' तेरा बाड़ा भी मुझे दे दे।' अब सुमित के लिए ये संभव नहीं था। उसने ना कह दिया । उधर अन्यों के बहकावे में आकर पतित सुमित को परेशान करने लगा कभी किराए के गुंडों से उसके घर पर पत्थर फिंकवाता , कभी फटाके जलाकर उसके घर पर व बाडे में फिं कवा देता । पतित अवैधानिक कामों से कमाई कर सुमित के परिवार को आतंकित करने में अपने रुपए खर्च करने लगा। इधर सुमित ने अपना अच्छा विकास कर अच्छी शक्ति अर्जित कर ली थी । एक दिन पतित के भाडे के टट्टुओं ने सुमित के बाडे में घुसकर आग लगवा दी, जिससे वहां काम कर रहा परिवार जल गया। सुमित के धैर्य का बांध टूट गया। उसने सबसे विचार विमर्श कर सबूत जुटा पतित के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही ही नहीं की बल्कि उसके सारे गलत धंधों पर रेड डलवा दी, सारे गलत धंधों पर ताले लगा दिए गए गए। पतित द्वारा लगातार ऐसा आतंक मचाने के कारण किसी ने उसका सहयोग नहीं किया । अब उसके पास कुछ नहीं बचा इधर उधर भागता छुपता फिरा। तो सुमित के एक मित्र कहा , पतित ने जैसा किया वैसा भरा। मालवी की एक कहावत बोलता हुआ बोला ,' यूं बोलो तो भारत का आप्रेशन सिंदूर जसी कार्रवाई ती तो थारो दुश्मण पाकिस्तान ज्यूं बोरी में भरई ग्यो है। अब रुक जा पर सावधान रीजे।'

**भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी**

# कोमल पंखों पर सपनों का बोझ...

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सबसे मुख्य पडाव विद्यार्थी जीवन ही होता हे। विद्यार्थी जीवन ही मनुष्य की सफलता का आधार बनता हे। यह एक ऐसा पडाव हे जिसमे कई बार विद्यार्थी कुछ चंद असफलताओ के कारण निराश होने लगते हे। असफलता अंतिम नही हे। वास्तव में यह विकास और प्रगति के लिए शक्तिशाली साधन हो सकता हे। परीक्षाओं के परिणाम आने के बाद मन गर्वित भी हुआ और हर्षित भी हुआ किंतु इस बीच परीक्षा के अपेक्षित परिणाम नही आने पर तनाव में आए विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या कर लेने का समाचार पड मन को बहुत पीडा हुई। अंको की प्रतिस्पर्धा का ऐसा आत्मघाती दबाव दुखद हे। इस दबाव में बच्चे सहयोगी बनने की अपेक्षा परस्पर प्रतिस्पर्धी बन रहे हे। परिवारजनो और पालको से आग्रह हे की अपने सपने का बोझ इस तरह से अपने बच्चो के कोमल पंखों पर न डाले की एक असफलता की परिणीति में आत्मघाती कदम उठाने की उनकी मानसिकता हो जाए ऐसे कितने ही बच्चे होंगे जो अपने सपने पूरे करने और अपने माता पिता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए दिन रात परिश्रम कर रहे हे। छोटी सी उम्र में उन्होने अपने उम्मर आपके सपनो और आकांक्षाओं का बोझ सह कर जीना सीख लिया हे पर क्या हर बच्चा यह दबाव झेल पाता हे तब क्या होता हे जब वे इस बोझ को ढो नही पाते आपकी अपेक्षाओं पर खरा नही उतर पाते और ऐसी घटनाओ को गले लगा लेते हे। विचार सभी को करना होगा बच्चे देश का भविष्य हे पर जरूरी नही की शिक्षा के क्षेत्र में ही भविष्य बने हर बच्चे में एक प्रतिभा होती हे उसकी प्रतिभा को पहचाने। सवाल यह भी उठता हे की यदि किसी विद्यार्थी के प्राप्तांक प्रतिशत कम हे पर वह नैतिक, सामाजिक, व्यवहारिक संस्कारो और सरोकारो का धनी हे तो क्या यह उसकी योग्यता का मापदंड नही होना चाहिए ? क्या परीक्षा के नंबर की दौड़ इस बात की गारंटी हे की जो छात्र पढाई में बेहतर प्रदर्शन करता हे वह जीवन में भी उतना ही सफल होगा ? कम अंक आपकी उस प्रतिभा को रोक नही सकते जिसके लिए आप बने हे। हमारी परीक्षा प्रणाली को ही बदलने की आवश्यकता हे क्योंकि यह छात्रों को केवल पास और फेल नही करती बल्कि उनके अच्छे और खराब छात्र के रूप में ब्रांडिंग करती हे फिर विद्यालय द्वारा दी गई ब्रांडिंग को समाज तुलना कर के उसको एक सामाजिक स्वीकृति में बदल देता हे। विचारो की सकारात्मकता से बडी से बडी समस्याओं के समाधान निकल आते हे। यदि परीक्षा परिणाम आपकी आशा पर खरा न भी उतरे तो दुख मनाने की कोई आवश्यकता नही क्योंकि जीवन में कोई भी परीक्षा अंतिम नही होती एक परीक्षा में असफलता पर आपके सम्पूर्ण जीवन की दिशा तय नही हो जाती एक रास्ता बंद हो जाने पर दूसरे कई रास्ते खुल जाते हे आवश्यकता केवल अपनी सोच और समझ को खुला रखने की हे। केवल अंकसूची ही योग्यता का पैमाना नही हे इसलिए सभी विद्यार्थियों से आग्रह हे की ये केवल परीक्षा हे और आप इससे कंही अधिक बडा करने की क्षमता रखते हे। बडे लक्ष्य निर्धारित करे और उन्हें प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करे। बडे सपने देखने से न डरे। चुनौतियों को स्वीकार करे और उन्हें आगे बढने और सीखने का अवसर बनाए और इसके लिए आवश्यकता हे संयम, साहस और आत्मविश्वास की...।

**गौरव सोनी, मंदसौर**

# पीएम मोदी पहुंचे पंजाब के आदमपुर एयरबेस, जवानों को दी बधाई

**जालंधर, 13 मई।** भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह पंजाब के जालंधर स्थित आदमपुर एयरबेस पहुंचे। यहां उन्होंने एयरफोर्स के अधिकारियों व जवानों के साथ मुलाकात की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बातचीत की और सफल एयर स्ट्राइक को लेकर जवानों को बधाई भी दी।

पीएम मोदी आदमपुर एयरबेस पर करीब एक घंटे तक रहे। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज सुबह मैं वायुसेना स्टेशन आदमपुर गया और हमारे बहादुर वायु योद्धाओं और सैनिकों से मुलाकात की। साहस, दृढ़ संकल्प व निडरता के प्रतीक लोगों के साथ रहना एक बहुत ही विशेष अनुभव था। भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी है, जो हमारे देश के लिए सब कुछ करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्र के नाम संबोधन में तीनों सेनाओं के जवानों की तारीफ की थी। वहीं पाकिस्तानी सेना ने अपनी एयर स्ट्राइक में आदमपुर एयरबेस को नुकसान पहुंचाने का दावा किया था।

**पाकिस्तान ने दावा किया था आदमपुर एयरबेस को नुकसान पहुंचाया–** 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के नाम से एयर स्ट्राइक कर 100 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए। इसके बाद पाकिस्तान ने भी ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों से अटैक करना शुरू कर दिया। हालांकि भारतीय सेना एयर डिफेंस सिस्टम ने इन्हें हवा में ही ढेर कर दिया। 10 मई को पाकिस्तान ने दावा किया कि उनके फाइटर जेट से दागी गई हाइपरसोनिक मिसाइल ने आदमपुर में भारत एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को बर्बाद कर दिया है। हालांकि इसी दिन कर्नल सोफिया कुरैशी ने विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्टकर दिया था कि यह दावा झूठा है।

**दूसरा सबसे बड़ा एयरफोर्स स्टेशन आदमपुर एयरबेस–** आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन पंजाब में जालंधर से तकरीबन 21 किलोमीटर दूर है। यह उत्तर भारत में बने मिलिट्री एयरबेस में दूसरा सबसे बड़ा एयरफोर्स स्टेशन है। यहां से इंडो-पाक बॉर्डर 100 किलोमीटर दूर है। आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन पर भारतीय एयरफोर्स की 47वीं स्क्वॉड्रन तैनात है। इसे एयरफोर्स का मिग-29 का बेस भी माना जाता है। यहां की स्क्वॉड्रन को ब्लैक आर्चर के नाम से जाना जाता है।

**1965 की जंग में पाकिस्तान ने उतारे थे कमांडो–** आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन ने 1965 के युद्ध में अहम रोल निभाया था। 6 सितंबर 1965 को पाकिस्तानी एयरफोर्स ने पंजाब के पठानकोट, आदमपुर व हलवारा (लुधियाना) एयरफोर्स स्टेशन के एरिया में हमला किया था। आदमपुर व हलवारा एरिया में भारतीय वायुसेना ने इस हमले को पूरी तरह नाकाम कर दिया था। इसके अगले दिन 7 सितंबर को पाकिस्तानी वायुसेना ने आदमपुरए पठानकोट व हलवारा में अपने 135 विशेष कमांडो भी पैराशूट से उतारे थे। भारतीय फौज ने इनका पूरी ताकत से सामना किया। जिसका नतीजा ये रहा कि 135 में से सिर्फ 10 कमांडो ही वापस पाकिस्तान जा पाए थे। बाकी कमांडो या तो मारे गए या फिर भारतीय फौज ने लोगों की मदद से उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

# दो सूने मकानों में चोरी, पचास लाख के जेवर ले गए

**रतलाम, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** शहर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। पुलिस पिछली वारदातों के आरोपितों को पकड रही है तो चोर नई वारदातों का अंजाम दे रहे है। तीन दिन पहले ही पुलिस ने चार मकानों से जेवर व तीन स्थानों से वाहन चुराने का आरोपित को गिरफ्तार किया था। वहीं मंगलवार तडके पांच से छह बजे के बीच चोरों ने दीनदयाल नगर थाना क्षेत्र की शांति निकेतन कालोनी में दो सूने मकानों में ताले तोडकर वारदात को अंजाम दिया तथा करीब पचास लाख रुपये के जेवर व 54 हजार रुपये नकद चुराकर ले गए। चोरों ने कलीमी कालोमी स्थित एक अन्य मकान में भी वारदात करने का प्रयास किया लेकिन वहां चोरों को कुछ नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार चोरों ने शांति निकेतन कालोनी निवासी किराना व्यापारी मनीष जैन (मूणत) की झाबुआ जिले के ग्राम जामली में किराना दुकान तथा खेत है। वे परिवार के साथ 11 मई को सुबह करीब दस बजे घर पर ताला लगाकर ग्राम जामली गए थे। वहीं उनके पडोसी प्रापर्टी व्यवसायी विकास वितलिया पत्नी व बच्चों के साथ 11 मई की दोपहर घूमने के लिए गोवा चले गए। मंगलवार तडके चोर ताला तोडकर पहले मनीष जैन के घर घुसे तथा जेवर व रूपये चुराकर बाहर निकले। इसके बाद वे उनके पडोसी विकास पितलिया के घर ताले तोडकर घुसे तथा जेवर चुराकर ले गए। सुबह आसपास के लोगों ने दोनों मकानों के ताले टूटे देखकर मनीष जैन व विकास पितलिया को सूचना दी।सुबह करीब साढे दस बजे मनीष जैन परिवार को साथ घर लौटे तो नीचे व ऊपर के कमरों में अलमारियों का सामान बिखरा हुआ था। चेक करने पर पता चला कि चोर उनके घर से करीब साढे पांच सौ ग्राम वजनी सोने के जेवर, करीब छह सौ ग्राम वजनी चांदी के जेवर, सिक्के आदि तथा 54 हजार रुपये चुराकर ले गए। वहीं सूचना मिलने पर विकास पितलिया की लोकेंद्र टाकीज क्षेत्र में रही बहन रंजना चौरडिया, मां लाडबाई आदि घर पहुंचे। विकास के भी घर के ऊपर व नीचे के कमरों में अलमारियों का सामान बिखरा हुआ था। रंजना चौरडिया ने बताया कि फोन पर भाई विकास से चर्चा हुई है। घर में रखे चालीस से पचास ग्राम वजनी सोने की दो पाटली, एक चेन, दो अंगूठी व तीन हाथ घडियां चोर ले गए। इसके अलावा और क्या चोरी गया है यह विकास व भाभी के आने पर पता चलेगा।वही चोरों ने कलीमी कालोनी में कासिम सेफुद्दीन कादरी के सूने घर का भी ताला तोडकर घर में प्रवेश किया। कासिम इंदौर रहते है तथा घर में जेवर व नकदी नहीं थे।इसलिए चोर खाली हाथ लौट गए। दोनों जगह दो-दो चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए है तथा दोनों में कैद चोर एक जैसे दिख रहे है। चोरों ने पहले कासिम के यहां चोरी का प्रयास किया, लेकिन कुछ नहीं मिलने पर वे शांति निकेतन कालोनी पहुंचे तथा मनीष जैन व विकास पितलिया के यहां वारदात कर भाग निकले।

**बाइक पर आए थे, पंक्चर होने पर छोड़कर भागे–** विकास पितलिया के घर लगे सीसीटीवी व अन्य कैमरों में दो चोर बाइक पर आते हुए, टामी या बडे पेचकस से ताले तोडते हुए तथा बैग में जेवर व रुपये भरकर बाइक से जाते कैद हुए हुए है। चोरों की बगैर नंबर की बाइक सागोद रोड पर शिक्षक कालोनी के सामने पंक्चर हो गई तो वे बाइक छोडकर भाग निकले। सूचना मिलने पर दीनदयाल नगर थाना प्रभारी मनीष डाबर, एसआइ सचिन डाबर सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा पीडितजनों से जानकारी ली। डाग स्क्वाड व फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ टीमों ने भी घटना स्थलों व आसपास के क्षेत्रों में जांच की। डाग कुछ दूर जाकर रूक गया।थाना प्रभारी मनीष डाबर ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है।

# स्ट्रीट डॉग्स ने किया मासूम पर हमला, महिला ने बचाया

**नीमच, 13 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर के महावीर नगर में एक सात साल के बच्चे पर स्ट्रीट डॉग्स ने हमला कर दिया। घटना पास के एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसमें बच्चा डॉग्स से बचने के लिए चिल्लाते हुए इधर-उधर भाग रहा है। बच्चा जब महावीर नगर के रास्ते से गुजर रहा था, तभी 4-5 कुत्तों ने उसे घेर लिया। कुत्तों के हमले से घबराकर बच्चा चीखने लगा। उसकी चीखें सुनकर पास से गुजर रही एक महिला तुरंत मदद के लिए पहुंची। महिला ने कुत्तों को भगाकर बच्चे को बचा लिया।**

बीते एक हफ्ते में 23 लोगों को स्ट्रीट डॉग ने काटा है। महावीर नगर के निवासी आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। नगर निगम कुत्तों की नसबंदी का अभियान चला रहा है। लेकिन, इसके बावजूद डॉग बाइट के मामलों में कमी नहीं आ रही है। निवासियों ने प्रशासन से इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। शहर में पहले भी कई डॉग बाइट के मामले सामने आ चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को जल्द ही कोई ठोस कदम उठाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने कहा कि नसबंदी अभियान चल रहा है। कोर्ट का आदेश है कि कैंची और जाल से कुत्तों को पकड़ना पशु क्रूरता में आता है। इसलिए सुरक्षित तरीके से नसबंदी की जा रही है।

# पशु बाड़े में आग से नौ पशु जिंदा जले

**रतलाम, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** जिले की पिपलौदा तहसील के बरखेडी गांव में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक किसान के पशु बाड़े में भीषण आग लग गई। हादसे में 3 भैंस, 5 गाय और 1 बछड़े की जलकर मौत हो गई। आग पर काबू पाने में करीब तीन घंटे का समय लगा। किसान को इस हादसे में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। घटना रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। आग किसान दिलीप मालवीय के घर से करीब 50 फीट दूर बने पशु बाड़े में लगी। उस समय बाड़े में पशुओं के साथ-साथ भूसा भी रखा था। घरवालों को घटना का पता करीब डेढ़ घंटे बाद चला, जब उन्होंने लपटें उठती देखीं। परिजन तत्काल बाड़े की ओर दौड़े और गांव के लोगों को जगाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। गांव के लोगों ने स्थानीय टैंकरों से पानी लाकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन, आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि रात 3 बजे जावरा से फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा। करीब 8 से 10 टैंकर पानी के बाद सुबह 6 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका। किसान दिलीप मालवीय ने बताया कि बाड़े में बिजली की आपूर्ति निकटवर्ती विद्युत पोल से होती है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। आग की चपेट में आकर पूरा बाड़ा, वहां रखा भूसा और झोपड़ी सब जलकर खाक हो गया।

# डेफोडिल्स स्मार्ट स्कूल का रिज़ल्ट शतप्रतिशत रहा

## माही यादव व आदि जैन रहे विद्यालय में प्रथम

**पिपलियामंडी, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा 13 मई को कक्षा 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित घोषित किये गये। जिसमें डेफोडिल्स स्मार्ट स्कूल, पिपलियामंडी का रिज़ल्ट रहा शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं का रिजल्ट उत्तम रहा।कक्षा 12वीं में विद्यालय की छात्रा माही यादव ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं कक्षा 10वीं में विद्यालय के छात्र आदि जैन 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम रहे।

विद्यालय के डायरेक्टर विनोद शर्मा सहित विद्यालय स्टॉफ सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

## दशपुर विद्यालय का कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** सीबीएसई परीक्षा परिणाम में सत्र 2025 में दशपुर विद्यालय का कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। सत्र 2024-25 में कक्षा 10 वीं में विद्यालय के 119 विद्यार्थी एवं कक्षा 12 वीं में विद्यालय के 80 विद्यार्थी सीबीएसई परीक्षा में सम्मिलित हुए थे जिसमें समस्त विद्यार्थी उच्च अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण हुए एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। समस्त उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विद्यालय प्रशासन एवं विद्यालय के प्राचार्य, उप-प्राचार्य एवं समस्त विद्यालय स्टाफ द्वारा हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

# गांधीसागर अभ्यारण्य में चरवाहा सम्मेलन सम्पन्न

**मंदसौर, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** गांधीसागर अभयारण्य के सुरम्य परिसर में मंगलवार को एक विशेष चरवाहा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अभयारण्य से लगे आसपास के ग्रामों से बडी संख्या में चरवाहाओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उन्हें वन सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जागरूक करना था। कार्यक्रम में उपस्थित मंदसौर वनमण्डलाधिकारी संजय रायखेरे द्वारा अभयारण्य की पारिस्थितिकी, जैव विविधता और संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि चरवाहा समुदाय अभयारण्य की दिनचर्या से प्रत्यक्ष रूप से जुडा हुआ है, और उनकी सक्रिय भूमिका वन क्षेत्र की सुरक्षा में निर्णायक साबित हो सकती है।

**मुख्य चर्चाएँ:-सम्मेलन में कई अहम विषयों पर खुलकर चर्चा की गई, जिनमें प्रमुख थे:-** ❊वन सुरक्षा और अवैध प्रवेश की रोकथाम:❊ चरवाहाओं को बताया गया कि अवैध गतिविधियाँ जैसे लकडी कटाई या शिकार न केवल वन्यजीवों के लिए घातक हैं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाती हैं। इन गतिविधियों की सूचना तुरंत वन विभाग को देना आवश्यक है।

**अग्नि सुरक्षा:** गर्मियों के दौरान जंगलों में आग लगने की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। चरवाहाओं को सूखी पत्तियों, बीड़ी-सिगरेट जैसे स्रोतों से आग लगने के खतरों के बारे में बताया गया और उनसे सतर्कता बरतने की अपील की गई।

**मुखबिरी तंत्र:** चरवाहाओं को वन क्षेत्र में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वन विभाग ने आश्वासन दिया कि उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और आवश्यकतानुसार सम्मानित भी किया जाएगा।

**लैंटाना उन्मूलन:** वन क्षेत्र में तेजी से फैल रही आक्रामक झाड़ी लैंटाना के दुष्प्रभावों पर चर्चा की गई। चरवाहाओं से अनुरोध किया गया कि वे इसके उन्मूलन में सहयोग करें ताकि देशी वनस्पतियाँ पुन: पनप सकें।

**पशुओं के लिए पेयजल व्यवस्था:-** आसपास के ग्रामों में पशुओं के लिए पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्थानीय स्तर पर जल स्रोतों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

**वर्षा पूर्व मवेशियों के टीकाकरण किया जाना-** वन विभाग द्वारा अभयारण्य क्षेत्र के आसपास लगे ग्रामों में मवेशियों के टीकाकरण किए जाने पर भी चर्चा की गई।

**सामुदायिक सहभागिता का संकल्प:-** सम्मेलन के अंत में चरवाहाओं ने वन क्षेत्र की रक्षा और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को देने का संकल्प लिया। वन विभाग ने इस सकारात्मक पहल का स्वागत करते हुए उन्हें आवश्यक सहायता और संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। सम्मेलन के दौरान अधीक्षक सरोज रोज़, गेम रेंज अधिकारी पूर्व पन्नालाल रायक्वार, गेम रेंज अधिकारी पश्चिम अंकित सोनी एवं अभयारण्य का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

# सीतामऊ में एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

**सीतामऊ, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** नीमा समाज एवं नवशक्ति हाईस्कूल के तत्वावधान में विशाल 7 दिवसीय एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन 13 मई से 19 मई तक नवशक्ति हाईस्कूल, नीमा मोहल्ला सीतामऊ पर आयोजित हो रहा है। जिसका शुभारंभ 13 मई, मंगलवार को नगर परिषद सीतामऊअध्यक्ष मनोज शुक्ला, नवशक्ति हाई स्कूल सीतामऊ प्राचार्य नरेंद्र दुबे, नीमा समाज के कृष्णकांत नीमा, पंकज नीमा, मनीष नीमा ,संजय नीमा, मुकेश कारा, सुनील परमार द्वारा किया गया। इस शिविर में थेरेपिस्ट अर्जुन कटारिया (एम.डी.) व प्रिंस विद्यार्थी तथा सहयोगी प्रकाश गेहलोद द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही है। यह शिविर 19 मई तक नवशक्ति हाईस्कूल, नीमा मोहल्ला सीतामऊ में प्रात: 8 से दोप. 1 व दोप. 3 से सायं 7 बजे तक आयोजित हो रहा है।

इस अवसर पर नगर परिषद सीतामऊके अध्यक्ष मनोज शुक्ला ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा हमारे ऋषि मुनियों की देन है। अभी 7 दिनों तक सीतामऊमें आयोजित हो रहे इस शिविर का अधिक से अधिक लोग लाभ ले। प्राचार्य नरेंद्र दुबे ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के साइड इफेक्ट नहीं होते है। तथा यह कारगर पद्धति है। जिसका अधिक से अधिक लाभ उठाये। थेरेपिस्ट अर्जुन कटारिया ने बताया कि शिविर में विभिन्न बिमारियों का जैसे दमा, सांस, बवासीर, गठिया, रिगम (सायटिका), जोड़ो का दर्द, घुटनों का दर्द, एडी का दर्द, ब्लड प्रेशर का बढना-घटना, नजर की कमजोरी, लकवा, शुगर (1 साल पुरानी), मानसिक रोग, माइग्रेन, थायराईड, गुप्त रोग, शारीरिक दर्द, रीढ की हड्डी संबंधित रोग, गर्दन का दर्द (सरवाईकल), हाथ पैरों में दर्द व सुनापन, चक्कर आना, नाभि का खिसकना (धरन), मोटापा, लकोरिया (श्वेत प्रदर) व घात रोग आदि रोगो का ईलाज विदेशी मशीनों एवं एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा बिना दवाई के इलाज किया जा रहा है। रोगी को शिविर में 1 घण्टे के लिये आना होगा। असुविधा से बचने के लिये रोगी अपना रजिस्ट्रेशन मो.नं. 8003708162 पर करवाये। इस अवसर पर बडी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# कक्षा 10वीं एवं 12वीं का सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा

**दलौदा, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** सी.बी.एस.ई. द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम जारी किये गये। श्री साई पब्लिक स्कूल, दलौदा के छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सी.बी.एस.ई. की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की वार्षिक परीक्षा का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कक्षा 12वीं में राधिका पाटीदार पिता श्री शंकरलाल पाटीदार (गुराडियालाल मुहा) ने 96 प्रतिशत के साथ पहला स्थान, योगेश पाटीदार पिता श्री बसंतीलाल पाटीदार (एल्वी) ने 94.2 प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान एवं रानी पाटीदार पिता श्री बसंतीलाल पाटीदार (रिच्छालाल मुहा) ने 93.8 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान (आईडी विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये) हासिल किया। कक्षा 10वीं में हर्ष जैन पिता श्री अनिल जैन (दलौदा) ने 91.8 प्रतिशत के साथ पहला स्थान (आईटी विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये), समीक्षा धाकड़ पिता श्री राहुल धाकड़ (बनी) ने 88.4 प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान एवं हंसिका बाफना पिता श्री ऋषभ बाफना (दलौदा) ने 87.2 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल प्रशासन, शिक्षकों व अभिभावकों का सहयोग व विद्यार्थियों की अथक मेहनत के परिणाम स्वरूप यह सफलता प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि पर संस्था संचालक श्री मोहसिन अख्तर, प्राचार्य श्री मनोज कुमार शर्मा, उप-प्राचार्य श्री सौनेश मिश्रा, शिक्षकों एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों एवं परिवारजन को उनकी सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# लविना को मिलेगी मिश्रीलाल कुमठ छात्रवृत्ति

**पिपलियामंडी, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** ने चूरल पब्लिक स्कूल पिपलिया में अध्ययरनत 10 वीं की छात्रा लवीना पिता महेश सकलेचा ने 91.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान पाया। छात्रा को मिश्रीलाल कुमठ छात्रवृति के लिये चयनित किया है। उद्योगपति अशोक कुमठ ने बताया इस छात्रवृत्ति के तहत आगामी दो वर्ष स्थानीय विद्यालय में (11वीं 12वी) कक्षा में पढाई हेतु संपूर्ण स्कूल फीस का वहन कुमठ परिवार करेगा।

# एनपीएल क्रिकेट लीग का नलखेड़ा सुपर जाइंट्स ने जीता फायनल

**मनासा, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** समीपस्थ ग्राम पंचायत नलखेडा में युवा खिलाडीयों द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल की तर्ज पर एनपीएल, नलखेडा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रीमियर लीग में नलखेडा सुपर जाइंट्स व सांवलिया इलेवन के बीच फायनल मुकाबला खेला गया। इसमें नलखेडा सुपर जाइंट्स ने रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए ट्राफी व 12 हजार की राशि पर कब्जा किया।

आयोजनकर्ता विशाल शर्मा, पंकज शर्मा व दीपक शर्मा ने बताया कि गांव नलखेडा में गांव के युवा खिलाडीयों द्वारा नाईट एनपीएल क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया। चार दिवसीय लीग में गांव के ही 48 खिलाडियों ने भाग लिया। ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने प्रीमियर लीग का गांव की श्रीचारभुजा नाथ धर्मशाला में आयोजन किया गया। 9 से 12 मई तक चली लीग में चार टीमों ने भाग लिया इसमें प्रत्येक टीम द्वारा तीन तीन मैच खेले गए। ओपन ऑक्सन के माध्यम से खरीदे गए खिलाडीयों ने बेहतर प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल मुकाबले में सांवलिया इलेवन ने स्ट्रोम इलेवन को हराकर फायनल में प्रवेश किया। फायनल मुकाबला सांवलिया इलेवन व नलखेडा सुपर जाइंट्स के बीच खेला गया। नलखेडा सुपर जाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सांवलिया इलेवन को 10 ओवर में 78 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में लक्ष्य का पिछा करने उतरी सांवलिया इलेवन की टीम मात्र 47 रनों पर ढेर हो गई। नलखेडा सुपर जाइंट्स ने 31 रनों से विजेता हुई। विजेता टीम के कप्तान राजेन्द्र शर्मा को 12 हजार रूपए एवं उपविजेता टीम के कप्तान दीपक शर्मा को 4 हजार रूपए का पुरूस्कार गांव के सरपंच प्रतिनिधि कमलेश मोड़, उप सरपंच लवकुश राठोर, समाजसेवी डाक्टर बबलु राठोर सहित अन्य अतिथियों द्वारा दी गई। वहीं विजेता उपविजेता टीम को ट्रॉफी बंशी कांटे वाले, समस्त गेंद अरुण पांडेय, मेन ऑफ़ द सीरीज का पुरूस्कार पंकज शर्मा को अविनाश राठौर द्वारा, मेन आंफ द मैच भरत कारपेंटर को विजय शर्मा द्वारा, बेस्ट बैटसमैन दीपक शर्मा को दशरथ शर्मा द्वारा व बेस्ट बॉलर अजय शर्मा को संतोष कारपेंटर द्वारा ट्राफी भेंट कर पुरूस्कृत किया गया।

## मारपीट, 4 पर मामला दर्ज

**पिपलियामंडी, 13 मई गुरु एक्सप्रेस।** विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया। चंगेरी निवासी अजयसिंह पिता गोविन्दसिंह ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रात्रि में गर्रावद निवासी पदमसिंह, नरेन्द्रसिंह, लाखनसिंह, लाखनसिंह चारों आए और महिला को भगाने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की व मारपीट की। मां गुड्डीबाई व बुआ भरतबाई बीच-बचाव करने आई तो इनके साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।


**चंदनकुमार साबरे, एडवोकेट**

पता-कोर्ट परिसर, मंदसौर, मो-8989943331

दिनांक-13.05.2025

**❊❊❊❊ जाहिर सूचना ❊❊❊❊**

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारगण सत्रो बी रसीदा बी पिता बाबू खां मोमिन निवासी अस्ताना पुरानी तहसील, मंदसौर जिला मंदसौर की ओर से जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारगण की माता हलीमा बाई पति स्व. बाबू खां मोमिन के द्वारा मेरी पक्षकारगण के पिता बाबू खां मोमिन निवासी अस्ताना पुरानी तहसील मंदसौर जिला मंदसौर की मृत्यु हो जाने के पश्चात उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि ग्राम कायमखेड़ा, तहसील व जिला मंदसौर में स्थित होकर जिसकी भूमि सर्वे क्रमांक 123/1/1 रकबा 0.600 हे. भूमि व सर्वे क्रं. 129 रकबा 0.990 हे. कुल सर्वे क्रं. 02 कुल रकबा 1.590 हे. भूमि पर शासन से बाबू खां के वारिसान मेरे पक्षकारगण की जानकारी छुपाते हुए धोखाधड़ी कर नामांतरण स्वयं के नाम करवा लिया है जबकि उपरोक्त वर्णित भूमि में मेरे पक्षकारगण का स्वत्व हक एवं हिस्सा निहीत है। मेरे पक्षकागण को यह ज्ञात हुआ है कि मेरे पक्षकारगण की माता हलीमा बाई पति स्व. बाबू खां मोमिन उपरोक्त वर्णित कृषि भूमियों को विक्रय करना चाहती है। जबकि उक्त कृषि भूमि के संबंध में हम पक्षकारगण के द्वारा स्वयं के हक हिस्से हेतु न्यायालयीन कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है।

अतः उक्त जाहिर सूचना प्रेषित कर सूचित किया जाता है कि उक्त कृषि भूमि में मेरे पक्षकारगण का स्वत्व एवं अधिकार निहीत होने से कोई भी व्यक्ति, संस्था किसी भी प्रकार से उक्त कृषि भूमियों के संबंध में हलीमाबाई से रहन, बय या अंतरण या कोई संव्यवहार ना करें और यदि कोई करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सो सूचित हो।

भवदीय

चंदनकुमार साबरे, एडवोकेट



**कार्यालय सम्पदा प्रबंधक**

**म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर**

**नामान्तरण –सूचना**

मण्डल की आवासीय कॉलोनी दलौदा जिला मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.II-08 जो श्री फ़तेह सिंह पिता श्री रामसिंह को वर्ष 2011 में आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 13.01.2012 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री फ़तेह सिंह पिता श्री रामसिंह द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री राजेन्द्र सिंह पिता श्री भंवर सिंह एवं श्रीमती कीर्ति राज कुंवर पति श्री राजेन्द्र सिंह को संयुक्त रूप से कर विक्रय पत्र दिनांक 28.05.2014 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री राजेन्द्र सिंह पिता श्री भंवर सिंह एवं श्रीमती कीर्ति राज कुंवर पति श्री राजेन्द्र सिंह अपने नाम संयुक्त रूप से करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री राजेन्द्र सिंह पिता श्री भंवर सिंह एवं श्रीमती कीर्ति राज कुंवर पति श्री राजेन्द्र सिंह के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)



**कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय मंदसौर**

**❊ अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना ❊**

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय मंदसौर हेतु स्टेशनरी प्रिंटिंग बाबत् निविदाएं आमंत्रित की जा रही है। इच्छुक व्यापारी/विक्रेता/निर्माता निविदा फार्म 1000/- की फीस जमा कर दिनांक 14.05.2025 से दिनांक 21.05.2025 तक प्रात: 11 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। भरी हुई निविदाएं कार्यालय में प्राप्त होने की अंतिम दिनांक 22.05.2025 समय सायं 4.00 बजे तक है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 23.05.2025 को प्रात: 12 बजे निविदा समिति के समक्ष खोली जावेगी। निविदा की शर्ते एवं सामग्री की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय मंदसौर


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in